RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर शनिवार ● 30 सितंबर , 2023 वर्ष:-11 अंक-153 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

अधर्म के प्रतीक रावण का एक भाई था कुम्भकर्ण जो दिखने में बहुत ही ज्यादा बलशाली और भीमकाय था और आम लोगों से कई गुना ज्यादा भोजन करता था जिसका वर्णन रामचरितमानस में भी किया गया है। यह छः महीने तक सोता रहता फिर एक दिन के लिए उठता और फिर छः महीने के लिए सो जाता था। हमारे मध्य प्रदेश रेरा की स्थिति भी ऐसी ही है, रेरा कुम्भकर्ण की भांति सो रहा है एक दिन के लिए कभी उठता है फिर सो जाता है, जमीनी स्तर पर रेरा पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा है।

कुम्भकर्णीय रेरा : परियोजना, एजेंट, प्रमोटर कुछ भी रजिस्टर्ड नहीं

खुलेआम बेच रहे प्लाट, रेरा की नींद नहीं खुल रही

आइए इस कॉलोनी **खेत** में आपका स्वागत है...

क्योंकि प्रशासन निद्रा में है

कैसे फंसाते हैं भोले भाले लोगों को

यह खेल बड़े प्रमोटर (कालोनाइजर) सीधा नहीं खेलते इनके बहुत सारे बड़े एजेंट होते है इन बड़े एजेंटों के नीचे भी कई छोटे एजेंट काम करते है इन फर्जी एजेंटों द्वारा आलीशान कमर्शियल बिल्डिंगों में कारपोरेट ऑफिस खोलकर सोशल मीडिया पर विज्ञापन कर भोलेभाले ग्राहकों को फसाया जाता है, एक बार इन्क्वायरी करने के बाद ये छोटे फर्जी एजेंट टेलीकॉलिंग करके ग्राहकों को साइट विजिट के लिए बड़ी गाड़ियों से ले जाते है और रजिस्टर्ड कालोनी की आड़ में अपकमिंग प्रोजेक्ट की प्री बुकिंग कर खेत की जमीन को अच्छे रिटर्न की गारंटी देकर निवेश करवाया जाता है। प्रमोटर, बिल्डर और रियल एस्टेट एजेंट ग्राहकों के साथ जो एग्रीमेंट कर रहे है उसमे प्लाट का सौदा नहीं बल्कि ग्राहकों से उधार लेने का जिक्र होता है ताकि विषम परिस्थिति में पैसे वापस करना पड़े या कोई विवाद हो तो प्लाट बिक्री का कहीं उल्लेख न हो। जिससे उन्हीं का पक्ष मज़बूत रहता है और वे ख़रीदारों पर हावी रहते हैं। यह ग़लत ही नहीं, बल्कि एक आपराधिक साज़िश, कार्पोरेट फ्रॉड और धोखाधड़ी है।

गौरतलब है कि ऐसे बड़े कार्पोरेट एजेंटों में से अधिकतर रेरा में पंजीकृत नहीं है, नाममात्र के जो पंजीकृत है वो भी इंडिविजुअल रजिस्टर है वहीँ इनके अधीन कार्य कर रहे हजारों छोटे एजेंट अपंजीकृत होकर निडरता से काम कर रहे है।

दैनिक सदभावना पाती अख़बार की पड़ताल में सामने आया एक और बड़ा फर्जीवाड़ा

परियोजना, एजेंट, प्रमोटर कुछ भी रजिस्टर्ड नहीं खुलेआम बेच रहे प्लाट

इंदौर शहर के बाहर किसी भी दिशा में चले जाइए प्रॉपर्टी एजेंट के बड़े-बड़े साइन बोर्ड आपको लुभाते नजर आ जाएंगे, इनके न प्रोजेक्ट रजिस्टर्ड है और न ही इसे बेचने वाले प्रॉपर्टी एजेंट, इस कड़ी में जब हमने पड़ताल की तो एक नए उभरते फर्जी ग्रुप की जानकारी मिली इसका नाम है इम्पीरियल एकर्स, जिसकी कम्पनी है **IMPERIAL ACRES PRIVATE LIMITED.** इसके डायरेक्टर का नाम सर्च करने पर संतोष मीणा और राधा मीणा का सामने आया। इस कम्पनी के एजेंटों द्वारा खुले आम फेसबुक प्रोफ़ाइल पर निर्भीकता से प्री लॉन्चिंग प्लाट का प्रचार किया जा रहा है।

विज्ञापन पर दिए नंबर 9111911896 पर जब बात की गयी तो किसी साहिल से बात हुई.....

फ़ोन पर हुई बातचीत में ही साहिल के द्वारा प्रोजेक्ट की जानकारी हमारे व्हाट्सप्प नंबर पर शेयर कर दी जिसमे रेट इत्यादि का उल्लेख है। मुलाकात होने पर साहिल ने खुल कर सारी बाते अंडरकवर एजेंट को बता दी।

फेसबुक प्रोफ़ाइल पर अंकित नंबर 9981642050 पर बात करने पर किसी मेडम से बात में उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट हम बेच रहे हैं आप आ जाइये हम साइट विजिट करवा देते है।

कम्पनी द्वारा फेसबुक अलाउड नहीं है।

एक अन्य ***फेसबुक अकाउंट इंदौर प्रॉपर्टी सोलुशन के नाम से प्रचार कर रहे एजेंट लखन खींची से बात*** करने पर उन्होंने बताया कि अभी तो यहाँ फसल खड़ी हुई है टी एंड सीपी की अनुमति भी चुनाव बाद आएगी, बुकिंग चल रही है कुछ ही प्लाट शेष है, 2 दिन बाद नए रेट लागु हो जायेंगे।

इस कम्पनी की वेबसाइट

http://www.imperialacresindore.in/ पर दिए गए नंबर 08048779146, 9827275777 पर पहला बंद बता रहा था दूसरे नंबर पर ***डायरेक्टर हर्ष मौर्य ने भी स्वीकार किया कि हमारा पहला प्रोजेक्ट इम्पीरियल पैलेस पूरा सेल हो चुका है अब इम्पीरियल श्री श्याम सिटी की प्री बुकिंग चल रही है।***

रेरा कानून में अनेकों प्रावधान है जिनमें मुख्य दो बातें हैं

यदि कोई डेवलपर RERA अधिनियम के तहत किसी भी कानून का उल्लंघन करता पाया जाता है, तो 3 साल तक की कैद या परियोजना की अनुमानित लागत का 10% पेनल्टी देय होगी, यदि रियल एस्टेट एजेंट वैध RERA पंजीकरण के बिना अपने प्रोजेक्ट पर बिक्री करते हुए पाए जाते हैं, तो उन्हें प्रति दिन 10,000 रुपये या प्रोजेक्ट की लागत का 5% तक का भुगतान करना होगा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार कॉलोनाइजर एक्ट के तहत कृषि भूमि पर प्लॉटिंग करना प्रतिबंधित है, इंदौर के पूर्व कलेक्टर मनीष सिंह ने डायरियों/प्री बुकिंग के नाम पर प्लाट बेचने वाले कई एजेंटों, प्रमोटरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाकर जेल भेजा था. पदासीन कलेक्टर इलैया राजा टी. द्वारा इस मामले में संज्ञान लेकर क्या कार्यवाही की जाएगी यह देखना होगा ?

क्या कहना है इनका

➤इस बारे में डायरेक्टर संतोष मीणा से 8889259888 नंबर पर बात करने पर उन्होंने साफ़ कहा कि हम आपको क्यों बताएं, आप जानने वाले कौन होते है। आप आपकी कार्यवाही करें हमें जो जवाब देना होगा हम प्रशासन को दे देंगे, इतना कह कर फ़ोन काट दिया।

➤इस बारे में रेरा के सेक्रेटरी नीरज दुबे से बात करने पर उन्होंने बात करने से मना कर दिया।

➤इस बारे में इंदौर कलेक्टर इलैया राजा टी. से फ़ोन पर बात करने की कोशिश की गई परन्तु संपर्क नहीं हो पाया।

इम्पीरियल श्री श्याम सिटी

डॉ देवेंद्र मालवीय
9827622204

दैनिक सद्भावना पाती अखबार ने पिछले अंकों में रेरा की कमियों को उजागर किया था कि किस तरह प्रतिष्ठित संस्थान एग्रीमेंट पर प्लॉट बेच रहे हैं और किस तरह अपंजीकृत एजेंटों की संख्या दिन ब दिन बढ़ती जा रही है जिस पर रेरा कोई एक्शन नहीं ले रहा। इन खबरों को प्रकाशित कर रेरा तक पहुंचाई गई लेकिन इसकी निद्रा नहीं खुल रही है।

इंदौर शहर की आबादी दिनों दिन बढ़ती जा रही है, शहर में जमीनों के दाम आसमान छू रहे हैं लोग अपने आशियाने के लिए जमीन की खाक छान रहे हैं। जमीन दलाल और फर्जी प्रमोटर (कॉलोनाइजर) इसका जमकर फायदा उठा रहे हैं। शहर से सटे गांव में जमीन खरीद कर या किसान से एग्रीमेंट कर उस जमीन में अवैध प्लाटिंग कर बेचा जा रहा है, मोटी कमाई कर ये लोग संबंधित विभागों से सेटिंग कर अपना काला कारोबार भरपूर फैला रहे है। बड़े लालच में दलाल, फर्जी प्रमोटर और अधिकारी सारे नियम कायदों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। फर्जी प्रॉपर्टी एजेंट खुलेआम सोशल मीडिया पर प्री बुकिंग का विज्ञापन कर खेत की जमीन बेच रहे हैं जिसकी न डायवर्सन, न टी.एंड.सीपी, न विकास अनुमति, न रेरा की अनुमति होती है।

विशेष तौर पर सुपर कॉरिडोर, खंडवा रोड, बाई पास, उज्जैन रोड पर ऐसे प्रोजेक्टों के बाढ़ आई हुई है। इस अवैध कारोबार में प्रशासन की भी पूरी मदद मिल रही है। प्रशासनिक अधिकारी सब कुछ जानते हुए भी इस ओर कोई कार्यवाही नहीं करते हैं।

जानकारी के अनुसार ये इम्पीरियल एकर्स ग्रुप तीन प्रोजेक्ट लांच कर रहा है

1. इम्पीरियल पैलेस 2. इम्पीरियल गोल्ड सिटी 3. इम्पीरियल श्री श्याम सिटी

जब रेरा की वेबसाइट पर सर्च किया गया तो इन तीनों नाम से कोई भी योजना पंजीकृत नहीं पाई गई, कंपनी के डायरेक्टर का नाम रेरा वेबसाइट पर प्रमोटर की लिस्ट में नहीं मिला बल्कि पंजीकृत एजेंट में इनका नाम मिला जिसका पंजीकरण भी पिछले साल 2022 में हुआ है। इनके सेल्स डायरेक्टर हर्ष मौर्य का और बड़े एजेंट साहिल के अलावा सोलंकी मेडम का नाम खोजने पर भी नहीं मिला। मतलब साफ़ है परियोजना, एजेंट, प्रमोटर कुछ भी रजिस्टर्ड नहीं है और खुलेआम बेच रहे है प्लाट।

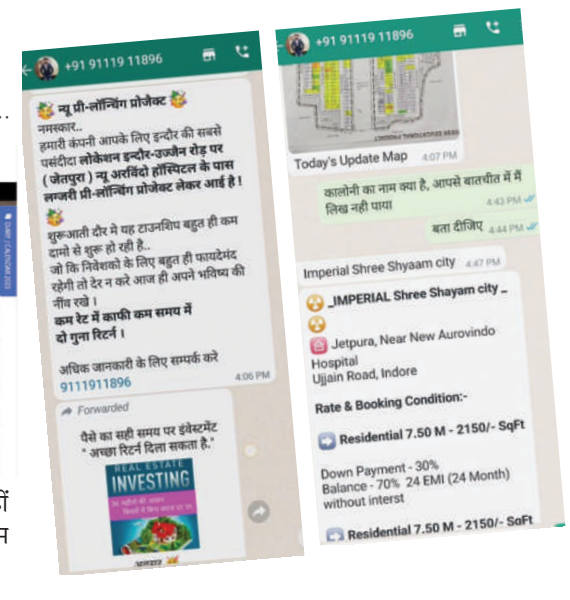

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

शनिवार ● 30 सितंबर 2023, इंदौर

संक्षिप्त समाचार

जिला स्तरीय युवा उत्सव के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी आयोजित

सीहोर (निप्र)। शासकीय कन्या महाविद्यालय सीहोर में जिला स्तरीय युवा उत्सव की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के 12 महाविद्यालयों के युवा उत्सव प्रभारी शामिल हुए। बैठक में 22 विधाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई एवं महाविद्यालयों में विधाओं से संबंधित कार्य का विभाजन किया गया। जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 05 से 07 अक्टूबर 2023 के बीच किया जाएगा। आयोजन के प्रथम दिवस 05 अक्टूबर को रांगोली, गायन एवं वादन की विधायें शासकीय कन्या महाविद्यालय में तथा दूसरे दिन 06 अक्टूबर को लोकनृत्य, मूकअभिनय, वक्तृता एवं वाद-विवाद की विधायें चन्द्रशेखर आजाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एवं 07 अक्टूबर को एकांकी, स्किट, मिमिक्री एवं प्रश्नमंच शहीद भगतसिंह महाविद्यालय आष्टा में रूपांकन पक्ष की समस्त विधायें स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज सीहोर में सम्पन्न होंगी।

महुआ फूल विक्रय हेतु ई-नीलामी 9 अक्टूबर को होगी

हरदा (निप्र)। जिला लघु वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित हरदा में कार्य कर रही वनोपज सहकारी समितियों के माध्यम से वर्ष 2022 में महुआ फूल का संग्रहण किया गया था, जिसकी ई-नीलामी 9 अक्टूबर से शुरू होगी। वन मण्डलाधिकारी एवं पदेन प्रबन्धक संचालक जिला वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित हरदा ने बताया कि प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समितियों द्वारा वर्ष 2022 में महुआ फूल का संग्रहण किया गया है, जिसकी मात्रा 182.82 क्विंटल है। उन्होंने बताया कि महुआ फूल को टेमागांव में दुकान में 105.03 क्विंटल, सिराली में 71.50 क्विंटल एवं नयापुरा में 6.29 क्विंटल भंडारित रखा गया है। महुआ फूल का विक्रय बीएसई-ई मार्केट लिमिटेड के बीम पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। उन्होने बताया कि खरीददार अधिकृत सेवा पोर्टल पर पंजीयन कर ई-नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते है।

आबकारी विभाग के दल ने अवैध मदिरा के विक्रय के विरुद्ध की कार्यवाही

हरदा (निप्र)। आबकारी विभाग के दल ने मंगलवार को अवैध मदिरा के विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के विरूद्ध कार्यवाही की। जिला आबकारी अधिकारी श्री रीतेश कुमार लाल ने बताया कि आबकारी विभाग के दल ने वृत हरदा के ग्राम कुकरावद स्थित जेएमडी ढाबा, इंडियन ढाबा, ग्राम बम्हनगाँव, कनारदा, गहाल, कमताड़ा तथा खेडीपुरा मोहल्ला में दबिश दी। इस दौरान कुल 14 पाव अंग्रेजी शराब, 25 पाव देशी मदिरा प्लेन, 16 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब एवं 560 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम तहत कुल 6 प्रकरण दर्ज किये। जप्त किये गये माल का बाजार मूल्य 62365 रुपये है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव ने नूरगंज उप स्वास्थ्य केन्द्र का किया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव श्री विशाल चौहान द्वारा औबेदुल्लागंज जनपद के ग्राम नूरगंज में उप स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया गया। उन्होंने उप स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर स्वास्थ्य तथा उपचार संबंधी सेवाओ और व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। संयुक्त सचिव श्री चौहान ने उपस्थित सीएचओ से स्वास्थ्य केन्द्र में की जाने वाली जांचें, दवाईयों की उपलब्धता, प्रतिदिन आने वाले मरीजों की संख्या आदि के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अभिषेक दुबे, सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री भी उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत सांची जनपद में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत सांची जनपद के सतधारा सहित अन्य ग्रामों में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सांची जनपद अध्यक्ष, जनपद उपाध्यक्ष तथा जनपद सदस्यों द्वारा श्रमदान करते हुए नागरिकों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही ग्रामीणों से स्वच्छता संवाद करते हुए अपने घर, आस-पड़ोस, वार्ड तथा ग्राम में स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में सांची जनपद सीईओ श्रीमत बंदू सूर्यवंशी, एई, एपीओ श्री प्रवीण त्रिपाठी, बीसी, एसबीएम, नेहरू युवा केन्द्र तथा समस्त स्टॉफ उपस्थित रहे।

कैम्प लगाकर भरवाए जा रहे लाडली बहना आवास एवं सिलेण्डर रिफिलिंग योजना के फॉर्म

सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा लाडली बहनों को पक्के मकान की सौगात देने मुख्यमंत्री लाडली बहना आवास योजना तथा 450 रूपए में गैस सिलेण्डर उपलब्ध कराने के लिए सिलेण्डर रिफिलिंग योजना शुरू की गई है। सभी ग्राम पंचायतों में कैम्प लगाकर महिलाओं से योजनाओं के फॉर्म भरवाए जा रहे है। पंजीयन के लिए लगाए जा रहे कैम्पों के दौरान महिलाओं में खुशी का माहौल देखा जा रहा है। बड़ी संख्या में महिलाएं पंजीयन कराने कैम्पों में पहुंच रही है।

विकास रथ के माध्यम से गांव-गांव में शासकीय योजनाओं का किया जा रहा प्रचार-प्रसार

सीहोर (निप्र)। शासकीय योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के लिए सीहोर एवं बुधनी विधानसभा में विकास रथ चलाए जा रहे है। विकास रथ के माध्यम से शासन की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करते हुए आमजन को योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया जा रहा है। विकास रथ में लगी एलईडी के माध्यम से नागरिकों को लाडली बहना योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ, किसान कल्याण के चलाई जा रही योजनाएं जैसी अनेक योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया जा रहा है। विकास रथ के माध्यम से 27 सितम्बर को खाण्डाबड़, देवगांव, पीलीकरार, तालपुरा, महूकला, भाऊखेड़ी, काकड़खेड़ा, नरसिंहखेड़ा, कुड़ी, मोहनपुर लेण्डी, भाड़ाखेड़ी, धामन्दा, आमलारामजीपुरा, दुर्गपुरा सहित अनेक गांवों में शासकीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया गया।

केन्द्रीय स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव श्री चौहान ने निःशुल्क स्वास्थ्य मेला का किया शुभारंभ

आयुष्मान भवः अभियान के तहत औबेदुल्लागंज में निःशुल्क स्वास्थ्य मेला आयोजित

रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के औबेदुल्लागंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आयुष्मान भवः अभियान अंतर्गत आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य मेला का भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव श्री विशाल चौहान द्वारा दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित नागरिकों से कहा कि आयुष्मान भव अभियान के तहत हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में निःशुल्क मेले आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें विभिन्न प्रकार की बीमारियों की जांच तथा उपचार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यहां आयोजित स्वास्थ्य मेले में भी चिकित्सकों तथा उनकी टीम द्वारा बीपी, डाईबिटीज, टीबी, एनीमिया सहित अनेक प्रकार की जांचे निःशुल्क की जा रही हैं तथा स्वास्थ्य परामर्श और उपचार भी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तीस वर्ष तथा उससे अधिक आयु के व्यक्ति को बीपी की जांच अनिवार्य रूप से करानी चाहिए। साथ ही पौष्टिक भोजन और स्वस्थ्य दिनचर्या अपनाना चाहिए। इस स्वास्थ्य मेले में टीबी की भी जांच की जा रही है। टीबी रोग का सम्पूर्ण इलाज 06 महीने में संभव है।

संयुक्त सचिव श्री चौहान ने कहा कि आयुष्मान भारत निरामयम् योजना के तहत देश में 25 करोड़ कार्ड बन चुके हैं। मध्यप्रदेश में ही एक करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बन गए हैं। उन्होंने नागरिकों को बताया कि एप के माध्यम से भी आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं, आयुष्मान आपके द्वार अभियान भी चलाया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों को अंगदान करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि मृत्यु उपरांत अंग दान कर हम दूसरों को नया जीवन दे सकते हैं। अंगदान करने से मृत्यु उपरांत किडनी, लिवर, दिल, ऑखे आदि अंग प्रत्यारोपण में सहयोगी बन सकते हैं। कार्यक्रम में औबेदुल्लागंज नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी चौकसे ने भी संबोधित किया। सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री द्वारा आयुष्मान भवः अभियान के तहत आयुष्मान आपके द्वार, आयुष्मान मेला, आयुष्मान सभा सहित आयोजित की जा रहीं गतिविधियों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अभिषेक दुबे, उप संचालक स्वास्थ्य विभाग मप्र शासन डॉ मनीष सिंह, डीपीएम श्रीमती शिखा सरागवी सहित चिकित्सक और अधिकारी भी उपस्थित रहे।

अंगदान की ली गई प्रतिज्ञा

स्वास्थ्य मेले में संयुक्त सचिव श्री चौहान द्वारा उपस्थित अधिकारियों, चिकित्सकों तथा नागरिकों को प्रतिज्ञा दिलाई कि अपने ऐसे अंगों और उतकों को जिनका उपयोग मेरी मृत्यु पश्चात किसी को नया जीवन देने के लिए किया जा सकता है, उसका दान करेंगे। देश में प्रत्यारोपण के लिए अंगों और उतकों की कमी को देखते हुए अपने परिवार, मित्रों और देशवासियों को भी अपने अंग तथा उतक दान करने के लिए प्रेरित करने की भी शपथ दिलाई गई।

संयुक्त सचिव ने स्वास्थ्य मेले में विभिन्न स्टॉलों का लिया जायजा

संयुक्त सचिव श्री विशाल चौहान द्वारा स्वास्थ्य मेले में ओपीडी, एक्स-रे, सहित विभिन्न कक्षों में जाकर स्वास्थ्य जांचें तथा उपचार प्रकिया का अवलोकन किया गया। इस स्वास्थ्य मेले में बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर अपने स्वास्थ्य की जांच कराई और आवश्यकतानुसार परामर्श तथा उपचार प्राप्त किया। शिविर स्थल पर रक्तदान कैम्प भी आयोजित किया गया। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड तथा आभा आईडी बनाई गई और स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी गई।

मतदान कराने की प्रक्रिया से प्रशिक्षित हो रहे मतदानकर्मी

विदिशा (निप्र)। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत मतदान प्रक्रिया को निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशानुसार निर्विघ्न रूप से संपादित कराने हेतु निर्धारित मापदण्डो की प्रक्रिया से नियुक्त मतदानकर्मियों के लिए प्रशिक्षण जिले की पांचो विधानसभाओं में एक साथ दो-दो पॉलियो में आयोजित किया जा रहा है। अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने बताया कि प्रत्येक प्रशिक्षण कक्ष में अधिकतम चालीस-चालीस प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराई गई है ताकि प्रशिक्षण के दौरान उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधाओ का सामना ना करना पड़े। विदिशा विकासखण्ड के मतदानकर्मियों के लिए एसएटीआई डिग्री कॉलेज के विभिन्न कक्षो में एक साथ दो-दो पालियो में प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है जिला मुख्यालय की तर्ज पर शेष अन्य विधानसभाओं में भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हो रहे है। जिले के 7228 मतदानकर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

यह प्रशिक्षण तीस सितम्बर तक आयोजित किया गया है। मतदानकर्मियों के दूसरे दिन आयोजित प्रशिक्षण में मास्टर टेऊनर्सो के द्वारा ईव्हीएम, व्हीव्हीपैट की कार्य प्रणाली से भलीभांति अवगत किया गया है इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा स्वंय उपरोक्त मशीनो के संचालन हेतु कनेक्शन से लेकर मतदान करने तक की प्रक्रिया को प्रायोगिक रूप से संचालन किया है। हरेक विधानसभा के स्थानीय एसडीएम रिटर्निंग ऑफिसर ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित किया उन्होंने कहा कि मतदाल दल चुनाव की गतिविधियों को गंभीरता से समझें। आज पूछने का समय है, कल चुनाव में गलती न हो, ऐसे प्रयास करें।

''विकास रथ'' में फिल्म देखकर ग्रामीण ले रहे हैं विकास कार्यों की जानकारी

हरदा (निप्र)। प्रदेश सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में निवासरत लोगों को देने के उद्देश्य से इन दिनों विकास रथ लगातार भ्रमण कर रहा है। विकास रथ जिले की पंचायतों का लगातार दौरा कर जिले में हुए विकास कार्यो की जानकारी ग्रामीणों को फिल्म के माध्यम से दे रहा है। इसी क्रम में बुधवार को विकास रथ टिमरनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मनियाखेड़ी, सोहागपुर, सामरधा, धौलपुरकला, सौताड़ा, उन्द्राकच्छ, भादूगांव, टेमागांव व कपासी पहुँचा, जहाँ एलईडी टीवी के माध्यम से जिले के विकास पर केन्द्रित फिल्म दिखाई गई। इस दौरान ग्रामीणों को ''स्वच्छता ही सेवा अभियान'' के तहत स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत टिमरनी सुश्री चेतना पाटिल ने बताया कि विकास रथ 28 सितम्बर को ग्राम डोलरिया, नांदवा, सिरकम्बा, सोडलपुर, आलमपुर, दूधकच्छ, पानतलाई, छिदगांव तमोली व खमगांव का भ्रमण कर ग्रामीणों को एलईडी के माध्यम से जिले के विकास कार्यों व शासन की योजनाओं की जानकारी देगा। विकास रथ 29 सितम्बर को जिले के ग्राम कासरनी, आमसागर, रहटगांव, नजरपुरा, झाड़बीड़ा, गाड़ामोड़ खुर्द, फुलड़ी, छीरपुरा व पाढरमाटी का भ्रमण करेगा। विकास रथ 30 सितम्बर को बोथी, कायरी, बोरी, राजाबरारी, टेमरूबहार, रवांग, लोधीढाना, पाटियाकुआ व कचनार का भ्रमण करेगा। इसके अलावा विकास रथ 1 अक्टूबर को केली, कायदा, मालेगांव, बोरपानी, रातामाटी, डेहरिया, कायदा, चन्द्रखाल व बड़वानी का भ्रमण करेगा।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने हिनोतिया खास में उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन और परासिया में सड़क निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

रायसेन (निप्र)। स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा बुधवार को सांची विधानसभा क्षेत्र के ग्राम हिनोतिया खास में 71.16 लाख रू की लागत से बनने वाले उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण कार्य का तथा ग्राम परासिया में 275.38 लाख रू लागत से बनने वाले 2.25 किमी लम्बे परासिया से खिड़की मार्ग के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र के चहुँमुखी विकास के लिए वह लगातार काम कर रहे हैं। पिछले तीन साल में सांची विधानसभा क्षेत्र में विकास की नई गाथा लिखी गई है। चाहे शिक्षा की बात हो, स्वास्थ्य की बात हो, सड़कों की बात हो, पुल-पुलियों की बात हो, रोजगार की बात हो.. हर क्षेत्र में विकास के अनेकों काम किए गए हैं।स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने कहा कि आमजन को त्वरित और बेहतर इलाज मिले, इसके लिए सांची विधानसभा क्षेत्र में गाँवों में उप स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोले गए हैं। जहां ग्रामीणों को निःशुल्क उपचार मिल रहा है। पहले बीमार होने पर इलाज के लिए शहर जाना पड़ता था। लेकिन अब गाँव-गाँव में स्वास्थ्य केन्द्र खुल गए हैं जहां अनेक प्रकार की जांचें हो रही हैं और दवाईयां भी निःशुल्क मिल रही हैं। इसके अलावा पहले से स्थापित स्वास्थ्य केन्द्रों का भी उन्नयन किया जा रहा है। गैरतगंज सिविल अस्पताल में बड़े निजी अस्पतालों की तरह स्वास्थ्य सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि पहले गाँव में एक सड़क नहीं होती थी, लेकिन अब सड़कों का जाल बिछा हुआ है। हर गाँव को मुख्य सड़क से जोड़ने का काम किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ चौधरी ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, लाड़ली बहना आवास योजना, सीखो-कमाओ योजना, आयुष्मान भारत सहित अन्य योजनाओं का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

युवा इस रोजगार अवसर का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें : अतिरिक्त संचालक डॉ. कुमार रत्नम

मुरैना (निप्र)। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुरैना में बुधवार को स्वामी विवेकानंद कैरियर अवसर मेले का आयोजन मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्वालियर-चम्बल संभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. कुमार रत्नम, प्राचार्य डॉ. किशोर अरोड़ा, नोडल डॉ. प्रदीप सिकरवार, संभागीय नोडल डॉ. आर भारद्वाज मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्राचार्य ने की। मेले में औद्योगिक इकाइयों बानमौर, मालनपुर के महाप्रबंधक एवं प्रतिनिधि मौजदू रहे। जिले के 09 शासकीय महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। मेले में एलआईसी लाइफ, एस.बी.आई लाइफ इंशयोरेंस, पुखराज, जैट किंग, ड्रीम किरीयेशन, जेके टायर, आदि कम्पनियों ने 237 विद्यार्थियों का पंजीयन किया। जिसमें से लगभग 70 विद्यार्थियों को प्रथम स्तर पर चयनित किया गया। अतिरिक्त संचालक डॉ. कुमार रत्नम ने कहा कि युवा इस रोजगार अवसर का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें। मध्यप्रदेश शासन युवाओं को रोजगार, स्व-रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुरैना अंचल के युवाओं को अपनी इकाइयों में अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध करायें। प्राचार्य डॉ. अरोड़ा ने रोजगार मेले का अधिक से अधिक लाभ उठाने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिलीप कटारे, श्रीमती अलका वार्ष्णेय ने किया। आभार स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीप सिकरवार ने किया। कार्यक्रम में प्राध्यापक डॉ. एएस आर्य, आरएस किरार, साधना दीक्षित, एके उपाध्याय, एएस गहलौत, जीडी वैश्य, डॉ. एसपी शर्मा, बीएस चौहान, एनके भारद्वाज, आरएल सखवार, आरपी सिंह, एलके प्रसाद, प्रताप शाक्य, संगीता तोमर, अशोक नरवरिया, मनोज शर्मा, श्री लोकेश झा आदि उपस्थित रहें। मेले को सफल बनाने में समितियों के संयोजको व सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विधायक श्री राय ने 9 करोड़ 79 लाख रूपए के निर्माण कार्य का किया भूमि पूजन

सीहोर (निप्र)। विधायक श्री सुदेश राय ने सीहोर में 9 करोड़ 79 लाख रूपए की लागत से बनने वाले लॉ कॉलेज निर्माण एवं बालिका छात्रावास के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने 7 करोड़ 59 लाख रूपए की लागत से बनने वाले लॉ कॉलेज एवं दो करोड़ 20 लाख 80 हजार रूपए की लागत से बनने वाले 50 सीटर बालिका छात्रावास के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि लॉ कॉलेज के बन जाने से स्थानीय छात्र-छात्राओं तथा आसपास के विद्यार्थियों को लॉ की पढ़ाई करने के लिए अन्य शहरो में नही जाना पड़ेगा। वे अपने शहर में रहकर ही लॉ कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनता की जिन्दगी को बेहतर बनाने के लिए दिन रात काम कर रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्र तथा राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बेटियोंऔरबहनोंकेसाथहीजन-जनकोकल्याणकारीयोजनाओंसेलाभान्वित किया जा रहा है। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

विश्व पर्यटन दिवस पर विष्व धरोहर भीम बैटिका में ''स्वच्छता ही सेवा'' गतिविधियों का आयोजन

रायसेन (निप्र)। विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में रायसेन जिले के औबेदुल्लागंज विकास खण्ड की ग्राम पंचायत टिगरिया में स्थित पर्यटन स्थल विष्व धरोहर स्थल भीम बैटिका में ''स्वच्छता ही सेवा'' अभियान अंतर्गत स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया गया। स्वच्छता गतिविधि में राज्य जल स्वच्छता मिशन के मिषन डायरेक्टर डॉ केदार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा कार्यक्रम में शामिल कालेज स्टूडेंट तथा स्व-सहायता समूह की सदस्यों के साथ 'कचरा मुक्त भारत' विषय पर स्वच्छता संवाद किया गया तथा स्वच्छता अभियान से जुड़ने का आव्हान कर कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई।

विष्व विरासत भीम बैटिका में जनप्रतिनिधियों, शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों, स्कूल, कालेज के विद्यार्थियां तथा ग्रामवासियों के साथ विश्व विरासत एवं पर्यटन स्थल परिसर में श्रमदान कर कचरा संग्रह कर परिसर को स्वच्छ एवं कचरा मुक्त किया गया। लगभग 05 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक एवं अन्य ठोस कचरे का संग्रह कर निपटान हेतु नगर परिषद ओबेदुल्लागंज को सौंपा गया। कार्यक्रम में जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी भोपाल इंडियन, इंस्टीट्यूट आफ होटल मैनेजमेंट भोपाल के विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता शपथ ली गई था श्रमदान एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर परिसर में उपस्थित पर्यटकों को स्वच्छता संदेष दिया गया। स्वच्छता संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जनसेवा मित्र, एक्सीलेंस स्कूल औबेदुल्लागंज के विद्यार्थी, तथा ग्राम पंचायत टिगरिया के ग्रामवासियों ने अपने विचारों तथा कार्यो से अवगत कराया गया। ग्राम पंचायत टिगरिया के सरपंच संजय यादव द्वारा पंचायत को स्वच्छता, कचरा मुक्त आदर्श ग्राम पंचायत का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में 500 से अधिक प्रतिभागियों के द्वारा अपनी सहभागिता दी गई तथा स्वच्छता की शपथ लेकर सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को रोकने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि स्वच्छ भारत मिषन उपायुक्त अजीत तिवारी, जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी युक्ति शर्मा, जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन श्री विनोद सिंह बघेल, ब्लाक समन्वयक श्री राकेष पाण्डे, अजीविका मिषन समन्वयक निधी चौहान, जनसेवा मित्र सौरभ चौहान, राहूल नागर, स्व. सहायता समूह अध्यक्ष निषा यादव आदि प्रतीभागी उपस्थित रहे।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती

शनिवार ● 30 सितंबर 2023, इंदौर

शासकीय नवीन विधि महाविद्यालय में नवीन भवन का लोकार्पण करेंगे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान

इंदौर। शासकीय नवीन विधि महाविद्यालय, इन्दौर के प्राचार्य प्रो. नरेन्द्र देव ने बताया कि महाविद्यालय को विश्वबैंक परियोजना उच्च शिक्षा विभाग भोपाल म.प्र. द्वारा 2.27 करोड़ रूपये की राशि आवंटित की गई थी जिसके अंतर्गत नवीन भवन का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इस नवीन भवन के अंतर्गत चार क्लास रूम, एक लैंग्वेज लैब, एक योगा रूम, एक सेमिनार हॉल, ई-लाईब्रेरी, दो स्टॉफ रूम बनकर तैयार किया गया है जो छात्र-छात्राओं के अध्ययन एवं व्यक्तित्व के विकास के लिए अति महत्वपूर्ण है। इसका लोकार्पण दिनांक 30-9-2023 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव भाजपा कैलाश विजयवर्गीय, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव, गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, पर्यटन एवं लोक संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी, विधायक आकाश विजयवर्गीय, भाजपा नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे समेत छात्र छात्राएं भी इस आयोजन में शामिल होंगे।

भगत सिंह प्रतिमा स्थल पर प्रेम और इंकलाब का उद्घोष

इंदौर। भगत सिंह जन्म दिवस से प्रारंभ राष्ट्रव्यापी ढाई आखर प्रेम यात्रा के तहत इंदौर में भी सद्भावना आयोजन संपन्न हुआ। भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा), प्रगतिशील लेखक संघ सहित अनेक जन संगठनों के प्रतिनिधियों ने भगतसिंह प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर प्रेम, भाईचारे और इंकलाब का उद्घोष किया। रूपांकन संस्था द्वारा निर्मित पोस्टरों में समाज में व्याप्त नफरत के प्रति लोगों को सचेत रहने का अनुरोध किया गया। आयोजन में जन कवि शंकर शैलेंद्र (जिनकी जन्म शताब्दी मनाई जा रही है) के गीत ÷तू जिंदा है तो जिंदगी की जीत पर यकीन कर...÷ का गायन कर देश के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। उल्लेखनीय है कि भगत सिंह जयंती से देश के अनेक लेखकों, संस्कृतिक संगठनों द्वारा राष्ट्रव्यापी ढाई अक्षर पदयात्रा प्रारंभ की गई है जिसका समापन शहीद दिवस 30 जनवरी 2024 को दिल्ली में होगा।

रातभर निकला झाकियों का कारवां

चल समारोह देखने सड़कों पर भीड़ उमड़ी

चंद्रयान, स्वच्छता, पर्यावरण, शिवाजी राज्याभिषेक पर झांकियां बनाई

इंदौर। दस दिवसीय गणेशोत्सव की समाप्ति पर अनंत चतुर्दशी की रात झिलमिलाती झांकियों की दमक से जगमगा उठी। रातभर शहर की सड़कों पर कारवां दिखाई दिया। छह बंद कपड़ा मिलों के साथ खजराना गणेश, आईडीए, नगर निगम और अन्य संस्थानों की 30 से अधिक झिलमिलाती झांकियां जब जुलूस मार्ग पर निकली तो इनकी मनोहारी छटा निहारने हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। धार्मिक प्रसंगों के अलावा स्वच्छता, पर्यावरण, चंद्रयान सी, छत्रपति शिवाजी महाराज का 350वां राज्याभिषेक सहित अन्य विषयों पर भी झांकियां बनाई गई थीं।

अनंत चतुर्दशी की झांकियो के अलसुबह नतीजे भी घोषित किए गए। प्रथम पुरस्कार राजकुमार मिल की बच्चों के मनोरंजन घर को मिला। दूसरा पुरस्कार मालवा मिल की कालिया मर्दन और स्वदेशी मिल की सीता हरण झांकियों को संयुक्त रूप से दिया गया। तीसरा पुरस्कार हुकुमचंद की वामन अवतार को दिया गया। जबकि, विशेष पुरस्कार कल्याण मिल की रामायण प्रसंग और होप मिल की चंद्रयान की झांकी को संयुक्त रूप से दिया गया।

1924 से चल रही झांकियों की परंपरा

गणेश विसर्जन चल समारोह में नयनाभिराम चलित झांकियों की ये परंपरा सबसे पहले 1924 में हुकमचंद मिल से शुरू हुई थी, बाद में अन्य कपड़ा मिलों में भी मजदूरों ने गणेशोत्सव मनाने और अनंत चतुर्दशी पर चलित झांकियां निकालना प्रारंभ कर दिया। वक्त के साथ कपड़ा मिलें तो बंद हो गई, पर रोशनाई बिखेरती झांकियों की ये परंपरा बदस्तूर जारी है। पूरी रात ये कारवां निकलता है और इंदौर के बाशिंदे रातभर जागकर इनकी खूबसूरती को निहारने उमड़ पड़ते हैं।

गणेश पूजन के साथ शुरू कारवां

चिमनबाग चौराहे पर सर्वप्रथम खजराना गणेश की झांकी में श्री गणेश का पूजन कर कलेक्टर इलैया राजा टी, निगम आयुक्त हर्षिका सिंह और पुलिस आयुक्त मकरंद देउस्कर ने झांकियों के नयनाभिराम कारवां की शुरुआत की। सबसे आगे खजराना गणेश की झांकियां थीं, उसके बाद आईडीए, नगर निगम, होप टैक्सटाइल्स, कल्याण, स्वदेशी, मील मालवा मील, हुकमचंद और राजकुमार मिल की झांकियों के साथ अन्य संस्थानों की झांकियां भी चल रहीं थीं। इनमें संस्था शास्त्री कार्नर छेटा गणपति स्पुतनिक ट्यूटोरियल,गीता रामेश्वरम ट्रस्ट और अन्य संस्थान शामिल थे। जुलूस मार्ग पर झिलमिलाती झांकियों की खूबसूरत छटा निहारने हजारों लोग उमड़ पड़े। कई लोग परिवार सहित इंदौर की इस ऐतिहासिक परंपरा के दीदार करने पहुचें थे। झांकियों की दिलकश छटा को अपने मोबाइल में कैद करने के साथ सेल्फी लेने की भी होड़ सी मची हुई थी। सभी इन खूबसूरत पलों को संजो लेना चाहते थे।

अखाड़ों ने करतब दिखाए

झिलमिलाती झांकियों के आगे अखाड़ों के कलाकार पारंपरिक शस्त्रकला के साथ अपने हुनर का प्रदर्शन भी करते चल रहे थे। मार्ग में लगे सैकड़ों मंचों से अखाड़ों के कलाकारों का स्वागत किया जा रहा था। जिला प्रशासन का निर्णायक मंच कृष्णपुरा छतरियों के पास लगा था, जहां निर्णायक समिति के सदस्य विराजमान थे। अहम बात ये रही की अखाड़ों ने अपनी छोटी-छोटी झांकियां भी बनाई थीं, जो आकर्षण का केंद्र रहीं।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

झांकियों के चल समारोह के मद्देनजर समूचे जुलूस मार्ग पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस के हजारों जवानों को भीड़ को नियंत्रित कर चल समारोह को निर्विघ्न संपन्न कराने के लिए तैनात किया गया था। ट्रैफिक पुलिस ने जुलूस मार्ग से जुड़ने वाले मार्गों पर बेरिकेटिंग कर रखी थी, ताकि वाहन जुलूस मार्ग पर न आ सकें। चौराहों पर वॉच टावरों के जरिए स्थिति पर नजर रखी जा रही थी। कलेक्टर इलैया राजा टी व पुलिस आयुक्त मकरंद देउस्कर सहित जिला व पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी जुलूस मार्ग पर घूम घूम कर हालात का जायजा लेते रहे। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था।

नगर निगम की चार झांकियां

पहली बार थ्रीडी प्रिंटिंग का उपयोग कर मॉडल बड़े ही आकर्षक बनाए। पहली झांकी में छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक और उनके जीवन पर आधारित झांकी को निहारने के लिए बच्चे काफी उत्सुक नजर आए। चंद्रयान की सफलता दर्शाती दूसरी झांकी में वैज्ञानिकों का अभिनंदन करते दिखाया गया। वहीं, लाड़ली बहना योजना का भी चित्रण अद्भुत रहा। तृतीय झांकी पर्यावरण और जल बचाओ का संदेश देती झांकी में मां नर्मदा पर केंद्रित रही। इसमें पेड़, पौधों, जीव-जंतु, मानव आदि के जीवन में जल के महत्व बखूबी बताया गया। चतुर्थ झांकी में हनुमान अष्टक के नाम से बताई गई झांकी थ्रीडी प्रिंटिंग का खूबसूरत इस्तेमाल देखते ही बना। इसमें पवन पुत्र के जीवन के विभिन्न प्रेरक प्रसंगों को खूबसूरती से दर्शाया गया।

खजराना गणेश मंदिर की तीन झांकियां

पहली झांकी में 25 फीट के ट्राले को पुष्पक विमान के रूप में बदला गया। इसमें हनुमान, रामजी, सीता और लक्ष्मण विराजमान रहे। इस चलित झांकी में विमान के पंख चलायमान रहे, जो काफी आकर्षण का केंद्र रहे। दूसरी झांकी में दर्शकों ने खजराना गणेश के गर्भगृह के दर्शन किए। यह झांकी कलाकारों ने काफी सुंदरता से बनाई और भगवान गणेशजी के पूजन को भी लोगों ने सराहा। तीसरी झांकी पर्यावरण संरक्षण की थी, जिसमें भगवान गणेश पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते नजर आए। पेड़-पौधों को काटने से भगवान स्वयं रोककर रहे हैं। इस बात के लिए चूहों को भी निर्देशित किया।

हुकमचंद मिल 100वां साल

हुकुमचंद मिल का झांकियों का यह 100वां वर्ष था। यह झांकियों का स्वर्णिम काल है, तो मिल के मालिक सेठ हुकमचंद कासलीवाल द्वारा 100 साल पहले निकाली गई बैलगाड़ी पर झांकी दिखाई गई। अगले भाग में चंद्रयान के जरिए विकास यात्रा दर्शाई गई। दूसरी झांकी गोमाता की महत्ता को प्रदर्शित किया गया। तीन भागों में बनी झांकी में पहले गोपाष्टमी पर्व, दूसरे में माखन चोरी की लीला और कृष्ण और कंस का युद्ध काफी रोमांचित प्रतित कर रहा था। तीसरी झांकी भगवान विष्णु के वामन अवतार पर आधारित झांकी में त्रेता युग को दिखाया गया। इसमें भगवान को बालक रूपी ब्राह्मण अवतार में दिखाया गया। इसमें वे देवताओं को राजा बली से भय मुक्ति का आश्वासन देते नजर आए।

कल्याण मिल का 95वां साल

पहली झांकी श्रीकृष्ण की रासलीला पर आधारित झांकी थी, जिसमें भगवान को बंसी बजाते हुए दिखाया गया। राधा संग गोपियों को बांसुरी की ध्वनि पर मोहित होकर नृत्य करते हुए दिखाती झांकी आनंदित करने वाली है। दूसरी हनुमानजी की प्रभु राम के प्रति भक्ति को दर्शाती है। इस झांकी में हनुमानजी को पूरे शरीर में सिंदूर लगाकर जाते हुए दर्शाया गया। यह रामायण के उस प्रसंग पर आधारित है, जिसमें हनुमानजी सीता माता से पूछते हैं कि आप मांग में सिंदूर क्यों लगाते हो? इसके जवाब में वे कहती हैं कि इससे प्रभु प्रसन्न होते हैं। इस झांकी को लेकर भी लोगों में काफी उत्साह रहा।

स्वदेशी मिल का 94वां साल

पहली झांकी को सीता हरण को तीन भागों में दिखाया गया। प्रथम में सीता माता कहती हैं हिरण को पकड़कर लाओ, दूसरे में सीता माता को कुटिया के बाहर और रावण को साधु वेश में दिखाया गया है। तृतीय भाग में रावण द्वारा सीता का हरण दिखाया गया है।दूसरी झांकी में शिव पार्वती का विवाह भी तीन भागों में दिखाया गया। पहले भाग में नारदजी पार्वती माता की माता को वर शिव दिखाते हुए दर्शाया गया। दूसरे भाग में मैनाजी को विष्णु और ब्रह्माजी समझाते हुए और अंत में शिव-पार्वती को फेर लेते हुए झांकी भी काफी सुंदर रही।

मालवा मिल वर्ष का 89वां साल

पहली झांकी में महापुरुषों के शौर्य की गाथा कहती देशभक्ति की झांकी रही। इसमें झांसी की रानी, छत्रपति शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप को आक्रमणकारियों से युद्ध लड़ते दिखाया गया है। चित्रों में डॉ. भीमराव आंबेडकर, टंट्या भील, स्वामी विवेकानंद आदि दिखाई दे रहे हैं। दूसरी झांकी में जग में सुंदर है दो नाम चाहे कृष्ण कहो या राम थीम पर बनी झांकी में राधा कृष्ण नृत्य करते दिखाई दिए।

आज मेट्रो का ट्रायल रन, ऐतिहासिक पल के साक्षी बनेंगे हर वर्ग के लोग

संगठनों और संस्थाओं के पदाधिकारी नागरिकों का स्वागत करेंगे

इंदौर। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 30 सितंबर को शाम 4 बजे गांधी नगर मेट्रो डिपो में आयोजित एक कार्यक्रम में इंदौर मेट्रो ट्रायल रन का फ्लैग ऑफ करेंगे। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि होंगे। कलेक्टर डॉ इलैया राजा टी की विशेष मौजूदगी में इंदौर के सभी संगठनों, संस्थाओं, एसोसिएशन आदि के पदाधिकारियों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में मौजूद सभी संगठन, संस्थाओं और एसोसिएशन आदि के पदाधिकारियों ने बताया कि वह इस कार्यक्रम में पूर्ण अपार और उत्साह के साथ शामिल होंगे। वे मेजबान बनकर कार्यक्रम में आने वाले अपने सदस्यों और अन्य नागरिकों का स्वागत भी करेंगे। बैठक में नगर निगम आयुक्त हर्षिका सिंह भी मौजूद थी।

इंदौर वासियों से आग्रह किया है कि वे इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होकर इस महत्वपूर्ण अवसर के साक्षी बने। सभी को आमंत्रण दिया और कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है कि प्रदेश में सबसे पहले हमारे शहर में मेट्रो प्रारंभ होने जा रही है। मेट्रो संचालन में भी हम प्रदेश में अव्वल हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर में एक नया इतिहास लिखा जा रहा है। इस इतिहास का सभी लोगों को साक्षी बनना चाहिए।

बैठक में कलेक्टर ने कार्यक्रम आयोजन की रूपरेखा की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि हमारी सिटी अब मेट्रो सिटी हो रही है। इसके प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से अनेक फायदे मिलेंगे। शहर में निवेश भी बढ़ेगा। यह शहर के विकास के लिए मील का पत्थर बनेगी। उन्होंने सभी वर्ग से इस कार्यक्रम में उत्साह और उमंग से भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि शहर के विकास में इंदौर की जनता का अद्भुत सहयोग मिलता है। उनकी भागीदारी की देश में सराहना हो रही है। बैठक में शिक्षा, उद्योग, सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक तथा अन्य संगठन, संस्थाओं और एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद थे।

प्रतिभा ग्लोबल स्कूल, बागली में गणेश विसर्जन कार्यक्रम

इंदौर। प्रतिभा ग्लोबल स्कूल, बागली में आज अनन्त चतुर्दशी के अवसर पर विघ्नहर्ता मंगल मूर्ति भगवान श्री गणेश को हर्षोल्लास व आनंद के सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षक /शिक्षिकाओं की ओर से भावभीनी विदाई दी गई. आज सर्वप्रथम प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश की महाआरती की गई वा छप्पन भोग लगाया गया. भगवान श्री गणेश से प्रार्थना की गई कि अगले वर्ष जल्दी से आए और हम सभी पर कृपा दृष्टि व आशीर्वाद बनाये रखें. गणेश चतुर्थी से लेकर प्रतिदिन कक्षा वार विद्यार्थियों द्वारा आरती व भोग लगाकर आशीर्वाद लिया गया.

व्रत-पर्वों में मतभिन्नता को लेकर शंकराचार्य जी से चर्चा की गई

एक पर्व दो दिन मनाए जाने पर विमर्श कर निर्णय जरूरी

इंदौर। व्रत-पर्वों में मतभिन्नता के कारण कई बार तीज-त्योहार दो दो दिनों तक मनाए जाते है। इसको लेकर लोगों में भी संशय की स्थिति बनती है। आखिर शास्त्र सम्मत पर्व कब मनाए। इसका निराकरण जरूरी है ताकि सभी व्रत-पर्व एक दिन शास्त्र सम्मत तरीके से मनाया जाए।

मप्र ज्योतिष एवं विद्वत परिषद के अध्यक्ष आचार्य पं रामचंद्र शर्मा वैदिक ने इसको लेकर द्वारकापीठ के जगदगुरू शंकराचार्य श्री सदानंदजी सरस्वती से भेंट कर चर्चा की। शंकराचार्य ने कहा कि इसको लेकर सभी धर्माचार्य, विद्वानों एवम् पंचांगकर्ताओं की परस्पर सहमति से ही हल निकल सकेगा। इसको लेकर पहल जरूरी है। आचार्य पं शर्मा ने जानकारी दी कि परिषद इसको लेकर चारों पीठ के शंकराचार्य, विद्वान एवम् प्रमुख पंचांगकर्ताओं से चर्चा भी लगातार कर रहा है। परिषद ने स्थानीय स्तर पर एक कमेटी का गठन भी किया है जिसमें प्रमुख विद्वान, संतों के साथ खजराना गणेश मंदिर, रणजीत हनुमान मंदिर व अन्य प्रमुख मंदिरों के लोग भी शामिल है। यह ज्योतिष एव विद्वत परिषद तीज-त्योहारों को लेकर धर्मसम्मत शास्त्रोक्त जानकारी भी आम लोगों को प्रदान कर रहा है।

शंकराचार्यजी ने इसको लेकर प्रसन्नता व्यक्त की। आचार्य शर्मा वैदिक ने प्रदेशवासियों की और से जगदगुरू को द्वारका पीठ के %शंकराचार्य% का महत्वपूर्ण पद सुशोभित करने पर ज्योतिष एवं विद्वत परिषद की और से मंगल कामनाएं प्रेषित की इस अवसर पर द्वारका पीठ द्वारा हिंदी में अनुवादित अद्वैत जगत एवम ब्रह्मविद्या' का अमूल्य ग्रंथ विवेक चूड़ामणि आचार्य शर्मा को भेंट किया। पं शर्मा ने शंकराचार्यजी से इंदौर आगमन का आग्रह कर आमंत्रण भी दिया।

दैनिक सद्भावना पाती
शनिवार ● 30 सितंबर 2023, इंदौर

संपादकीय | सवालों के घेरे में राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था

दिल्ली में जंगपुरा इलाके के एक आभूषण की दुकान में बीस करोड़ रुपए से ज्यादा की कीमत के गहनों और नगदी की चोरी को आम आपराधिक घटनाओं में शुमार किया जा सकता है, लेकिन इस घटना से फिर यह साफ होता है कि यहां कानून-व्यवस्था के मामले में सर्वोच्च मानकों के लागू होने की हकीकत क्या है। इस समूचे मामले का जो ब्योरा सामने आ सका है, उससे यह जाहिर है कि इतनी बड़ी चोरी को पुख्ता योजना बना कर अंजाम दिया गया। शुरुआती आकलनों के मुताबिक, दुकान में कई स्तरों की सुरक्षा व्यवस्था को पार कर चोर बड़े पैमाने पर सोने और हीरे के आभूषण उठा ले गए। इमारत में घुसने और बिजली आपूर्ति बाधित करने से लेकर स्ट्रांग रूम में घुसने के लिए सेंध मारने और भीतर जाकर बेहद मजबूत 'लाकर' को तोड़ कर गहने चुरा ले जाने का ब्योरा किसी कहानी की तरह है।लेकिन चोरों ने जिस तरह सुनियोजित तरीके से इसे हकीकत में तब्दील किया, उसमें किसी की मिलीभगत से लेकर घटनास्थल का बारीकी से अध्ययन करने के संकेत मिलते हैं। सवाल है कि आभूषण की दुकान की अपने स्तर पर तय की गई सुरक्षा व्यवस्था के अलावा समूचे सरकारी तंत्र के कामकाज और उसकी उपस्थिति का क्या असर था कि चोरों को इतने बड़े कांड को सफाई से अंजाम देने में कोई बाधा पेश नहीं आई।

घटना के बाद कार्रवाई के नाम पर पुलिस ने फोरेंसिक जांच के लिए इमारत के आसपास की छतों से नमूना एकत्र करने, लोगों से पूछताछ और अंगुलियों के निशान लेने की प्रक्रिया पूरी की, लेकिन हालत यह है कि वहां लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिए भी इसमें लिप्त लोगों की पहचान

आसानी से नहीं हो सकी। इस वारदात के क्रम में जो स्थितियां सामने आई हैं, उसे देख कर यह समझना मुश्किल हो जाता है कि दिल्ली में हाल ही में जी20 सम्मेलन का पूरी कामयाबी से आयोजन किया गया। उस दौरान समूची दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था का स्तर ऐसा था जिसमें बड़े से लेकर छोटे स्तर के किसी भी अपराध के बारे में सोचना तक मुमकिन नहीं था। सवाल है कि क्या सुरक्षा व्यवस्था के उस उच्च स्तर का इंतजाम सिर्फ तात्कालिक था और क्या बाकी दिनों में सब कुछ अपने हाल पर छोड़ दिया जाता है आखिर यहां कानून-व्यवस्था को लागू करने वाली एजंसियों के कामकाज की शैली ऐसी क्यों है कि सामान्य दिनों में अपराधियों पर इसकी मौजूदगी का कोई खास असर नहीं दिखता देश की राजधानी होने के नाते यह उम्मीद की जाती है कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था दूसरे राज्यों और इलाकों से बेहतर होगी और यहां अपराध की दर काबू में होनी चाहिए। लेकिन हकीकत यह है कि कुछ खास मौकों पर उच्च स्तरीय सुरक्षा और चौकसी का शानदार उदाहरण पेश करने वाली दिल्ली में सरकार सामान्य से लेकर गंभीर वारदात और महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों को भी रोकने के मामले में लाचार नजर आती है। खुद दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, इस वर्ष शुरुआती छह महीनों में राजधानी के विभिन्न इलाकों से उन्नीस हजार से ज्यादा वाहन चोरी हो चुके हैं। हर रोज सौ से ज्यादा वाहनों की चोरी की वारदात को नहीं रोक पाने के लिए कौन जिम्मेदार है इससे चोरी के बाकी मामलों और अन्य अपराधों के बदस्तूर जारी रहने की स्थितियों और उनके कारणों का अंदाजा लगाया जा सकता है। सच यह है कि दिल्ली सरकार सीसीटीवी कैमरे लगाने से लेकर अन्य तमाम इंतजाम करके अपराधियों से जनता को बचाने और सुरक्षा मुहैया कराने का वादा और दावा करने में तो सबसे आगे रहती है, लेकिन इसे जमीन पर उतारने को लेकर पूरी तरह चाकचौबंद व्यवस्था करने को लेकर गंभीर नहीं होती।

सोशल मीडिया से...

दिल्ली में जितने भी घोटाले हुए हैं, जिसमें कोई जेल में है या कोई जेल जाने वाला है या कोई जांच के दायरे में, वह सब घोटाले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इशारे पर ही हुए हैं। अब, उनका बचना बहुत मुश्किल है। दिल्ली की केजरीवाल की सरकार अपराधियों की है, जिसे आपराधिक तरीके से चलाया जा रहा है।

मनोज तिवारी, भाजपा सांसद

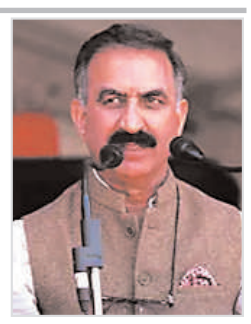

पर्यटन क्षेत्र राज्य के युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है और प्रदेश के राजस्व में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। राज्य की नैसर्गिक सुन्दरता और यहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से पर्यटकों को अवगत करवाने के लिए सरकार यातायात सेवाओं को सुदृढ़ कर रही है।

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू, सीएम हिप्र

पश्चिम बंगाल में, तृणमूल कांग्रेस उत्पीड़क है और कांग्रेस उत्पीड़ित है। इसलिए यहां हम उत्पीड़क और उत्पीड़ित के बीच संबंधों के आधार पर काम कर रहे हैं। मैं राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के बारे में बात नहीं कर सकता। मैं पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति पर बोल रहा था।

अधीर रंजन चौधरी, कांग्रेस सांसद

भाजपा ने मप्र को बर्बाद कर दिया है। सिर्फ विज्ञापन में काम दिखाई देता है। यह चुनाव केवल मध्य प्रदेश का नहीं देश का चुनाव है। यहां की जनता का एक-एक वोट देश के लिए संदेश होगा। भाजपा किसानों से आय दोगुनी करने का वादा किया था लेकिन 10 साल की सरकार में ऐसा नहीं हुआ। आय दोगुनी नहीं हुई लेकिन महंगाई जरूर हो गई।

अखिलेश यादव, सपा प्रमुख

आज का कार्टून

अमरीका और पश्चिमी देशों का दोहरा मापदंड

निज्जर की हत्या पर अमरीका और पश्चिमी देशों द्वारा नैरेटिव बनाया जा रहा है कि यदि जांच में मोदी सरकार की संलिप्तता पाई गई, तो इसपर भारत को दंडित किया जाना चाहिए। अमरीकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन के अनुसार, ''यह एक गंभीर मामला है और हम कनाडा में चल रहे कानून प्रवर्तन प्रयासों का समर्थन करते हैं।'' यही नहीं, पश्चिमी मीडिया का एक बड़ा भाग अपने संपादकीयों से धमका रहा है, ''यदि भारत ने कनाडा में हत्या का आदेश दिया था, तो इसके दुष्परिणाम होंगे।'' उसका कहना है कि भारत को रूस या सऊदी अरब द्वारा अपनाए गए मार्गों पर नहीं चलना चाहिए। क्या इस समूह ने विदेशों में अमरीका या इसराईल के आदेश पर अपने शत्रुओं को मौत के घाट उतारने पर ऐसा कोई उपदेश दिया है यह किसी से छिपा नहीं है कि अमरीका और इसराईल अपने दुश्मनों को दुनिया में कहीं से भी ढूंढकर उनकी हत्या करने के मामले में कुख्यात हैं। अमरीकी जांच एजैंसी 'सी.आई.ए.' ने क्यूबा के नेता फिदेल कास्त्रो की हत्या करने के आठ असफल प्रयास किए थे।

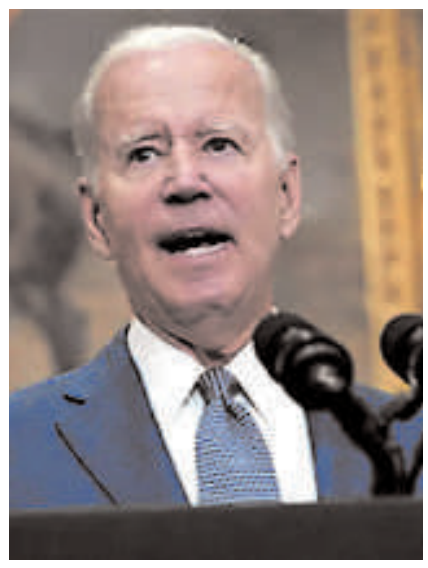

बलबीर पुंज

भारत -कनाडा संबंध इस समय बहुत तनाव में हैं। इसका कारण कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडोद्वारा खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में मोदी सरकार की संलिप्तता का मनगढ़ंत आरोप और भारत में दम तोड़ चुके सिख अलगाववाद की आग में लगातार घी डालने का प्रयास है। जिस प्रकार यह घटनाक्रम रूप ले रहा है, उसने अमरीका के साथ पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंडों और इन देशों में भारत-विरोधी शक्तियों को पुन-बेनकाब कर दिया है।

निज्जर की हत्या पर अमरीका और पश्चिमी देशों द्वारा नैरेटिव बनाया जा रहा है कि यदि जांच में मोदी सरकार की संलिप्तता पाई गई, तो इसपर भारत को दंडित किया जाना चाहिए। अमरीकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन के अनुसार, ''यह एक गंभीर मामला है और हम कनाडा में चल रहे कानून प्रवर्तन प्रयासों का समर्थन करते हैं।''

यही नहीं, पश्चिमी मीडिया का एक बड़ा भाग अपने संपादकीयों से धमका रहा है, ''यदि भारत ने कनाडा में हत्या का आदेश दिया था, तो इसके दुष्परिणाम होंगे।'' उसका कहना है कि भारत को रूस या सऊदी अरब द्वारा अपनाए गए मार्गों पर नहीं चलना चाहिए। क्या इस समूह ने विदेशों में अमरीका या इसराईल के आदेश पर अपने शत्रुओं को मौत के घाट उतारने पर ऐसा कोई उपदेश दिया है यह किसी से छिपा नहीं है कि अमरीका और इसराईल अपने दुश्मनों को दुनिया में कहीं से भी ढूंढकर उनकी हत्या करने के मामले में कुख्यात हैं। अमरीकी जांच एजैंसी 'सी.आई.ए.' ने क्यूबा के नेता फिदेल कास्त्रो की हत्या करने के आठ असफल प्रयास किए थे। यह निष्कर्ष किसी और का नहीं, अपितु अमरीका द्वारा 1975 में गठित चर्च समिति का है, जिसमें कास्त्रो को विषैली और विस्फोटक सिगार से भी मारने का प्रयास किया गया था।

यही नहीं, सी.आई.ए. के सहयोग से दक्षिण वियतनाम के राष्ट्रपति न्गो दीन्ह दीम और कांगो के पैट्रिस लुमुंबा को मारा गया था, तो उसने चिली में राष्ट्रपति साल्वाडोर अलेंदे के तख्तापलट और हत्या को बढ़ावा दिया था। एक आंकड़े के अनुसार, अमरीका ईराक में एक हजार से अधिक आतंकवादियों की इसी तरह हत्या कर चुका है। बीते कई वर्षों में अमरीका पाकिस्तान में घुसकर ओसामा बिन लादेन, ईरान में कासिम सुलेमानी और लेबनान में इमाद मुगनिया जैसे 60 शीर्ष कट्टर इस्लामियों को भी निपटा चुका है। क्या इसपर अमरीकी-यूरोपीय मीडिया में कोई हंगामा हुआ इसराईल भी 'आत्मरक्षा' में अपने दुश्मनों को दुनिया के किसी भी छोर में ठिकाने लगाने में पारंगत है। 1972 के म्यूनिख ओलंपिक में 11 इजराईली खिलाड़ियों की हत्या करने वाले फिलस्तीनी आतंकवादियों को रोम (इटली), पैरिस (फ्रांस), लिलेहैमर (नार्वे) से लेकर लेबनान-साइप्रस के 7 स्थानों पर ढूंढकर मारना इसका एक बड़ा उदाहरण है।

आज भी इसराईल इस प्रकार के कदम उठाने से नहीं हिचकता। संयुक्त राष्ट्र और अन्य मानवाधिकार संगठन इसकी ड्क्षनदा तो करते हैं, परंतु अमरीका और नाटो सहयोगी इस पर चुप्पी साधे रहते हैं। वास्तव में, अमरीकी-पश्चिमी आलोचक इस बात से ड्क्षचतित नहीं हैं कि भारत अपने घर के साथ अब पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों को मार रहा है। उनकी बौखलाहट का कारण यह है कि अब उनकी धरती पर भी भारत-विरोधियों की हत्या होने लगी है। आखिर हरदीप सिंह निज्जर कौन था, जिसे पश्चिमी मीडिया का एक वर्ग अपनी रिपोर्टिंग में 'प्लंबर' बताकर उसकी वास्तविकता छिपाने में जुटा है

निज्जर भारत की 'मोस्ट वांटेड' आतंकियों की सूची में शामिल था। उसपर 10 लाख रुपए का घोषित ईनाम था। वह प्रतिबंधित चरणपंथी संगठन 'खालिस्तान टाइगर फोर्स' (के.टी.एफ.) का सरगना था। निज्जर मूल रूप से पंजाब के जालंधर जिले के शाहकोट के निकटवर्ती गांव भारसिंहपुर का निवासी था, जो कालांतर में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कनाडा जाकर बस गया। अनेकों भारत-विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने वाला निज्जर, इसी वर्ष जून में कनाडा में दिन-दिहाड़े गोलियों से भून दिया गया। यक्ष प्रश्न है कि कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडोने क्यों एक घोषित अपराधी के लिए भारत के साथ संबंधों को दांव पर लगा दिया इसके दो कारण हैं। पहला-स्वयं की पार्टी पर चीन के साथ सांठ-गांठ करने के आरोपों से अपनी देश की जनता का ध्यान भटकाना। दूसरा- वोटबैंक के लिए कनाडाई सिख समाज में कट्टरपंथी वर्ग को तुष्ट करना।

बकौल मीडिया रिपोर्ट, ट्रूडोने जिस 'विश्वसनीय आरोपों' के आधार पर सार्वजनिक रूप से भारत के विरुद्ध मिथ्या-दोषारोपण किया और जिसे भारत के साथ कनाडाई राजनीतिक अधिष्ठान का एक वर्ग निरस्त कर चुका है वह वास्तव में अमरीका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और न्यूजीलैंड के खुफिया तंत्र गठबंधन 'फाइव आइज' द्वारा सांझा की गई एक जानकारी थी। आखिर कनाडाई खुफिया तंत्र और 'फाइव आइज' की प्रामाणिकता क्या है हाल ही में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की कनाडा के दौरे पर थे और उन्होंने कनाडाई संसद को संबोधित भी किया। इस दौरान द्वितीय विश्व युद्ध का हिस्सा रहे एक पूर्व सैनिक यारोस्लोव हुंका को यूक्रेनी नायक के रूप में सम्मानित किया गया।

इस पर कनाडा के सभी सांसदों ने हुंका का खड़े होकर अभिवादन किया। बाद में पता चला कि हुंका ने हिटलर की उस दानवीय नाजी सेना में भी अपनी सेवाएं दी थीं, जिसके हाथ लाखों यहूदियों के रक्त से सने पड़े हैं। इस पर ट्रूडोको माफी मांगनी पड़ी। सोचिए, कनाडा का जो खुफिया तंत्र और अमरीका नीत 'फाइव आइज', एक पूर्व निर्धारित राजकीय कार्यक्रम में पूर्व नाजी सैनिक को नहीं पहचान पाया, वह निज्जर हत्याकांड में भारत सरकार पर दोषारोपण कर रहा है।

क्या कैलाश विजयवर्गीय होंगे अगले मुख्यमंत्री..?

कैलाश विजयवर्गीय खुद वैश्य हैं और नंदा नगर में उनकी किराने की पुश्तैनी दुकान अभी भी चलती है। बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि दीपावली के दिनों में धन तेरस के दिन कैलाश जी पूरे दिन उक्त दिन दुकान पर खुद सौदा अपने हाथ से बांधते हैं। भारतीय राजनीति में इस तरह के टोटके करना आम बात है क्योंकि भारतीय मतदाता आज भी विचार से ज़्यादा भावना को तरजीह देता है। बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि पश्चिम बंगाल आज भी राजस्थान के वैश्य समाज का दूसरा घर माना जाता है

पूनम शर्मा

इन्दौर विधानसभा नंबर ड्एक की सीट पर देश भर के मीडिया की नज़र ऐसी गढ़ गई है कि देश के ताज़ा राजनीतिक इतिहास में तो कदाचित उसकी मिसाल नहीं मिलती। कारण लगभग सभी को ज्ञात हो चुका है। भाजपा ने जैसे विस्फोट करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को मैदान में उतार दिया है। कैलाश जी के धुर विरोधी भी मानने को मजबूर होंगे कि उक्त करीब 67 वर्षीय नेता ने अपना राजनीतिक करियर बालू रेत के घरौंदे की तरह नहीं बनाया कि ज़रा सी मुहजोर हवा चले और बिखर के फना हो गए। मान लिया कि उनके खिलाफ़ लड़ने वाले कांग्रेस के सिटिंग मेंबर संजय शुक्ला भी कम खुदा नहीं हैं लेकिन राजनीतिक पंडितों का कहना है कि संजय शुक्ला को सियासत में कैलाश विजयवर्गीय जैसा मयार पाने के लिए लगातार कवायदें करनी पड़ेंगी। इसमें कैलाश जी का पक्ष लेना कोई बात नहीं है। पार्टी का पिछले 15 साल से नेशनल फिगर हो जाना कोई गुड्डा गुड्डी का खेल नहीं है। वैचारिक विरोध अपनी जगह है लेकिन जब हरियाणा के विधानसभा चुनाव में पार्टी की जान पर बन आई थी तब डेमेज कंट्रोलर के रूप में कैलाश जी को ही पहली बार अजमाया गया था और देखते देखते इस नेता ने ऐसी व्यूह रचना रची कि उक्त जाट, सिख और बिश्नोई समुदाय ने बहुल सूबे में भाजपा की सरकार बनवा दी। कहना पड़ेगा कि संजय शुक्ला अभी तक ऐसा कोई करतब नहीं दिखा पाए। हरियाणा के तत्काल बाद कैलाश विजयवर्गीय को 2019 चुनाव के वक्त पश्चिम बंगाल भेज दिया गया। यह राज्य कैलाश जी का संयोग से ससुराल भी है। कैलाश जी ने कोलकाता में अपना एक तरह से वॉर रूम ही बना लिया। मिडिया में तब खबरे आना आम था कि लोकसभा की कुल 42 सीटों में एक एक गली गली मोहल्ले मोहल्ले कैलाश विजयवर्गीय ने दो बार घर घर जाकर वोटर्स का मानस बदलने की रात दिन कोशिश की। मेहनत ऐसी रंग लाई कि पार्टी को 2014 के लोकसभा आम चुनाव में जहां मात्र तीन सीटें मिली थीं वह आंकड़ा जैसे उछ्ल कर हो गया कुल 42 में से 18।

कैलाश विजयवर्गीय खुद वैश्य हैं और नंदा नगर में उनकी किराने की पुश्तैनी दुकान अभी भी चलती है। बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि दीपावली के दिनों में धन तेरस के दिन कैलाश जी पूरे दिन उक्त दिन दुकान पर खुद सौदा अपने हाथ से बांधते हैं। भारतीय राजनीति में इस तरह के टोटके करना आम बात है क्योंकि भारतीय मतदाता आज भी विचार से ज़्यादा भावना को तरजीह देता है। बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि पश्चिम बंगाल आज भी राजस्थान के वैश्य समाज का दूसरा घर माना जाता है और इसी समुदाय के हाथों में वहां का अधिकांश व्यापार व्यवसाय और उद्योग धंधे हैं। इस सूबे में भी हिंसा, लूटपाट, हत्या, अवैध हथियारों का कारोबार, आगजनी का जंगल राज बिहार और उत्तर प्रदेश की तरह ही है लेकिन भारतीय राजनीति का सबसे बडा गुण या अवगुण जातिवाद समीकरण ही है। इसी समीकरण का फायदा कैलाश विजयवर्गीय को भी 2019 के लोकसभा चुनावों में तो मिला लेकिन बाद में हुए विधानसभा की 294 सीटों पर हुए चुनावों में कैलाश जी उक्त परफोर्मेंस को मेंटेन नहीं कर पाए और मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी को क्लीन स्वीप मिल गई लेकिन माना गया कि भाजपा इस सूबे में हारकर भी जीती है। वजह थी कि कुल 294 सीटों में से भाजपा कैलाश विजयवर्गीय की रणनीति के कारण पहली बार कुल 71 सीटों पर कब्जा करने में सफल रही। फिर पश्चिम बंगाल में राम या मंदिर का मुद्दा पूरे सूबे में फैला हुआ नहीं है। वहां तो माता पूजन का इश्यू लोक मानस में बसा हुआ है।

संजय शुक्ला के विरोध में सबसे बड़ा मुद्दा लगभग पिछले साल सम्पन महापौर के चुनाव हैं। इस चुनाव में भाजपा के नॉन पॉलिटिकल केंडिडेट पुष्यमित्र भार्गव जो एक लाख से ज़्यादा वोटों से जीते उसमें करीब बीस हजार की लीड तो उन्हें संजय शुक्ला की इसी एक नम्बर सीट से मिली थी। सौ टके का सवाल है कि संजय शुक्ला इस फर्क को आखिर कितना कवर अप कर पाएंगे और कैसे? फिलवक्त, तो संजय शुक्ला ने मार्फत मीडिया के एक ही नई बात कही है कि कैलाश जी हमारे मेहमान है यानी वे बाहर से थोपे हुए उम्मीद्वार हैं। अब इस बात का जवाब यह है कि कैलाश विजयवर्गीय अभी तक जो छह विधानसभा सीटों पर जीतते रहे वे अक्सर अलग अलग ही रही। पिछले चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी सुदर्शन गुप्ता के हारने का कारण कथित रूप से कैलाश विजयवर्गीय के लोगों द्वारा सेबोटेज किया जाना भी बताया जाता है। ज़ाहिर है अब ये लोग कैलाश विजयवर्गीय के लिए काम करेंगे। संजय शुक्ला भावनात्क कार्ड खेलने के कोशिश में कभी कथाएं करवाते हैं कभी तीर्थ यात्राएं करवाते हैं। कहा यह भी जाता है कि उनके जैसा साधन सम्पन्न विधायक प्रदेश में एकाध ही है।

विश्वगुरु की ओर भारत की परिकल्पना को भारत के सांस्कृतिक और सजग युवा सार्थक करेंगे : डॉ. भरत शर्मा

इंदौर। राष्ट्रीय सेवा योजना के 55वे वर्ष के प्रवेशावसार पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ लॉ द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. भरत शर्मा (सदस्य - सांस्कृतिक मंत्रालय, भारत सरकार) ने अपने उद्बोधन में कहा। आपने राष्ट्रीय सेवा

योजना के युवा पदाधिकारियों को वार्षिक प्रकल्पों के प्रति सकारात्मक रूप से कार्य करने की बधाई देते हुए कहा कि आज विश्व में केवल भारत ऐसा राष्ट्र है जिसने लगभग 65त्न युवा है और ऐसे में भारत को विश्वगुरु बनाने में यह हमारी महती भूमिका है कि हम सब भारतीयों में भारतीयता, भारतीय संस्कृति, शिक्षा, देशप्रेम और वसुदेव कुटुम्बकम् की भावना का संचार करें और विश्व कल्याण के लिए प्रेरित करे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पधारी समीक्षा नायक ने युवा और कैरियर के सृजन के साथ सामाजिक उन्नयन की जवाबदेही पर प्रकाश डाला। विशेष अतिथि माला सिंह ठाकुर ने राष्ट्रीय सेवा योजना के सदस्यों को राष्ट्रहित के लिए किए प्रयासों पर बधाई दी और अनुशासन और स्वानुशासन पर अपनी बात रखी। महाविद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र देव ने शिक्षा, सेवा और राजनीतिक दखल पर अपने विचार रखे। महाविद्यालय के छात्रों द्वारा राष्ट्र भक्ति आधारित काव्य पाठ, नाट्यप्रस्तुति और सांस्कृतिक नृत्य भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम अधिकारी मिलिंद गौतम और दीप्ति झा ने अतिथि परिचय व स्वागत किया। अतिथियों को प्राचार्य द्वारा स्मृति चिन्ह दिये गए। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय और राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े पदाधिकारी भूषण गहरवाल, कुणाल, आशीष ठाकुर, अम्बरीश त्रिपाठी और भारी संख्या में महाविद्यालय के छात्र भी मौजूद थे।

iPhone faces heat in 3rd largest economy

Alphabet Inc.'s Google Pixel is eroding the iPhone's dominance in Japan as the Apple Inc. device gets pricier, finding success after years of misfires. Google phones accounted for a record 12% share in the Asian country in the June quarter, six times what it was a year ago, according to Counterpoint Research data. During the same period, the iPhone's market share slumped by almost as much: to 46% from 58% a year earlier.

Japan is a key arena for the two Silicon Valley firms, as the world's third biggest economy and a huge market for mobile software and games. The iPhone has been as dominant there as at home in the US, and its decline this summer was the first time it commanded less than half the Japanese market in two years. The plunging value of the yen pushed Apple to raise iPhone prices in Japan earlier than its recent global price hikes, and the cost of the device is proving a noticeable deterrent, at a time when the latest handsets have not offered must-have new features.

"Japanese users are becoming more pragmatic," Tom Kang, a Seoul-based analyst for Counterpoint, said in an interview. "There's now more opportunity for alternatives. We've seen a little bit of growth in Sony and a little bit of growth in some other brands, but the growth of Google was most surprising. "The yen's weakness has also helped juice the Pixel's sales: it makes the phone a bargain for consumers outside of Japan who want to buy the phone. The Pixel is offered in a limited number of countries and the yen's slide toward its lowest level in more than three decades has made Japan the cheapest place to purchase the device.

"Japan is becoming the trans-shipment hub for Google Pixel devices," said Kang. "So the iPhone is suffering from a weak yen and Google is benefiting from it. "With the yen playing a decisive role in who gets a bigger share from one of the world's largest smartphone markets, there's an open question around whether the trend will last. But a growing price sensitivity appears likely to weigh on iPhone sales in Japan for the foreseeable future. The major mobile carriers have cut back subsidies enticing customers to sign up for lengthy contracts, and many have instead turned to buying devices through independent channels.

"Japan is a huge success story for Google and the Pixel team," said Anshel Sag, principal mobile analyst at Moor Insights & Strategy. "It appears that most of these devices are from the budget Pixel 6a and 7a series, which would likely mean that Google has successfully captured the middle of the Japanese smartphone market." The sales drop in Japan highlights the challenges ahead for Apple. The company posted its third straight quarter of declining sales and predicted a similar performance in the current period, hurt by an industrywide slump that has sapped demand for phones.

The release of Apple's latest iPhone 15 series may give its market share a bump, though the starting price of the iPhone 15 Pro Max was raised by $100 this year after eliminating a smaller storage tier offered in past years. Google is set to launch its latest Pixel device generation at an event on Oct. 4. "Price is becoming an important factor," Kang said. "Loyalty for Apple and iOS is much higher than Android, I'd say. But Android devices always have the price advantage."

फ्लिपकार्ट के प्रभावशाली सेलर्स लिख रहे हैं कारोबार में सामाजिक जिम्मेदारी की नई कहानी

मुंबई, एजेंसी। कारोबार की दुनिया जहां आमतौर पर वित्तीय लाभ और मार्केट डायनामिक्स के इर्दगिर्द घूमती है, वहीं कुछ ऐसे लोगों का भी समूह है जो सामाजिक जिम्मेदारी के साथ उद्यमिता में कदम बढ़ाते हुए बदलाव ला रहे हैं। वे सोशल एंटरप्रेन्योर यानी सामाजिक उद्यमी हैं, जिन्होंने न केवल कारोबार में श्रेष्ठता हासिल की है, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़े हैं और अपने समुदाय के उत्थान के लिए भी खुद को समर्पित किया है। उनकी प्रेरणादायक यात्रा फ्लिपकार्ट की वैल्यूज के ही अनुरूप है। ये वैल्यूज हैं सकारात्मक बदलाव के लिए ई-कॉमर्स की शक्ति का लाभ उठाना और कुशल तरीके से वित्तीय सफलता को सकारात्मक सामाजिक प्रभाव से जोड़ना। इन सामाजिक उद्यमियों के प्रेरक सफर के साक्षी बनते हुए हम उन विक्रेताओं की कहानियां सामने ला रहे हैं, जिन्होंने अपने समुदाय पर महत्वपूर्ण छाप छोड़ते हुए कारोबार में उत्कृष्टता हासिल की है। निशात बेगम अणुना मध्य प्रदेश पारंपरिक हस्तशिल्प, हथकरघा और हस्तनिर्मित उत्पादों के क्षेत्र में भारत का एक समृद्ध इतिहास रहा है। दशकों से कारीगरों की पीढ़ियां अपनी अगली पीढ़ियों को उनकी पसंद के विशेष शिल्प में कौशल को निखारने में मदद करती रही हैं। पूरे भारत में कारीगरों के ऐसे लाखों समूह हैं। इनमें से कई कारीगर हाशिए पर जी रहे महिला एवं पुरुष हैं और अक्सर अपने परिवार में कमाने वाले इकलौते व्यक्ति होते हैं। हालांकि, आज के डिजिटल युग में बाजार को लेकर बहुत कम जानकारी होने के कारण अक्सर बिचौलिये इन कारीगरों का शोषण करते हैं। ऐसे में उन्हें सामान्य जीवनयापन के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है। निशात फ्लिपकार्ट ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने कारीगरों को मिले कई गुना लाभ की सराहना करती हैं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण यह है कि उनकी कला का संरक्षण हो रहा है और उन्हें देशभर के बाजार तक पहुंच मिली है। वह कहती हैं, इससे बिक्री बढ़ेगी और महिलाओं और उनके परिवारों के जीवन स्तर में सुधार होगा। निश्चित आय मिलने से मेरी तरह कई महिलाएं आर्थिक रूप से स्वतंत्र होंगी और अपने सपनों को पूरा कर सकेंगी।

प्रेरक आशा : कैंसर सर्वाइवर साहस और विश्वास का संदेश फैलाने के लिए अपने गृह राज्य वापस आ गया है

भोपाल। सितंबर बचपन के कैंसर जागरूकता माह है। यह जागरूकता पैदा करने का समय है कि बहुत अधिक जीवित रहने की दर के साथ कैंसर का इलाज संभव है और यह कैंसर से लड़ने वाले बच्चों की बहादुरी और साहस का सम्मान करता है! मध्य प्रदेश के 19 वर्षीय अतुल राठौड़, जो बचपन में कैंसर से बचे थे, साहस और विश्वास का संदेश फैलाने के लिए भोपाल में 10 कैंसर से बचे लोगों की एक टीम का नेतृत्व करते हैं।

अतुल सिर्फ 3 साल का था जब उसे रेटिनोब्लास्टोमा (नेत्र कैंसर) का पता चला। उसकी माँ बहुत दुखी हो गई थी, लेकिन उसने उम्मीद नहीं छोड़ी। वह उसे सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों और अस्पताल में ले गईं और अतुल की कई सर्जरी और कीमोथेरेपी सत्र हुए। अतुल और उसकी माँ के लिए यह एक कठिन समय था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। अतुल ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए कविता लिखना शुरू किया और जल्द ही पता चला कि उनमें इसकी प्रतिभा है। उन्होंने स्टैंड-अप कॉमेडी करना भी शुरू कर दिया, जिससे उन्हें अपने इलाज के दर्द और तनाव से निपटने में मदद मिली। 18 साल की उम्र में अतुल ने सर्वाइवल लीडर बनने के लिए अपनी माँ और अपना घर छोड़ दिया था, आज अतुल 19 साल का है और अपने राज्य में युवा सर्वाइवर का नेतृत्व कर रहा है।

मुफिन ग्रीन फाइनेंस लिमिटेड के बोर्ड ने फंड जुटाने को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। क्लाइमेट फाइनेंसिंग सॉल्यूशंस में लीडिंग, मुफिन ग्रीन फाइनेंस लिमिटेड (बीएसई 542774) ने घोषणा की है कि उसके बोर्ड ने प्रमोटर ग्रुप और नॉन-प्रमोटर ग्रुप को उसके मेंबर्स और दूसरी जुड़ी हुई अथॉरिटी से अनुमोदन के अधीन प्रिफरेंशल इश्यू की मदद से फंड जुटाने को मंजूरी दे दी है। साथ ही बोर्ड ने मेंबर्स के अनुमोदन के अधीन कंपनी के अधिकृत शेयर कैपिटल को 20 करोड़ रुपये से 50 करोड़ रुपये तक बढ़ाने की भी मंजूरी दे दी। कंपनी के अनुसार उनके बोर्ड ने 2.55 करोड़ वारंट जो कि 18 महीने की अवधि के भीतर, उस पर लागू निर्धारित कानून के अंतर्गत 55 रुपये प्रत्येक की दर पर (वारंट सब्सक्रिप्शन प्राइस और वारंट एक्सरसाइज प्राइस सहित) कुल मिलाकर 140.25 करोड़ रुपये के विभिन्न प्रमोटर ग्रुप के व्यक्तियों और दूसरे नॉन-प्रमोटर ग्रुप के व्यक्तियों को प्रिफरेंसशियल इश्यू के माध्यम से, सदस्यों और दूसरे जुड़े मेंबर्स के अनुमोदन के अधीन तक के वारंट जारी करने को मंजूरी दे दी है। वारंट जारी होने पर, कुल इश्यू के 25त्न प्रस्तावित अलाटीज़ से अग्रिम रूप से लिया जाएगा। कंपनी ने अधिकृत कैपिटल में वृद्धि और वारंट जारी करने के लिए सदस्यों की सहमति लेने के लिए 21 अक्टूबर, 2023 को अपनी ईजीएम (श्वत्रू) निर्धारित की है।मुफिन ग्रीन फाइनेंस लिमिटेड भारत में क्लाइमेट फाइनेंसिंग सॉल्यूशंस में सबसे आगे है, जिसका ध्यान देश में हरियाली को बढ़ावा देकर अधिक टिकाऊ भविष्य की ओर ले जाने पर केंद्रित है। अपने क्षेत्र में अग्रणी के रूप में पहचानी जाने वाली कंपनी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) इकोसिस्टम को उत्प्रेरित करने के अपने कमिटमेंट पर दृढ़ है, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों, इलेक्ट्रिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रख़ और स्वैपेबल बैटरियों के द्वारा इनकम जनरेशन को बढ़ावा मिलता है। ऑर्गेनाइजेशन का मिशन सिर्फ एनवायरनमेंटल ट्रांसफर्मेशन से आगे बढ़कर भारत के भीतर पॉजिटिव सोशल चेंज को प्रभावित करने की व्यापक दृष्टि को शामिल करना है। यह मिशन फाइनेंशियल इन्क्लूज़न और जलवायु स्थिरता दोनों के लिए दोहरे कमिटमेंट पर आधारित है। मुफिन ग्रीन फाइनेंस लिमिटेड के लिए जलवायु स्थिरता महज़ एक ऐक्टिविटी नहीं है - यह पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ आर्थिक विकास को जोड़ने वाली जीवन शैली है।

भारत के टॉप 75 ब्रांड का कुल मूल्य 4 फीसद गिरकर 379 अरब डॉलर पर आया, टीसीएस का दबदबा बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के टॉप 75 मूल्यवान ब्रांड का संयुक्त मूल्य वर्ष 2022 की तुलना में इस साल चार प्रतिशत गिरकर 379 अरब डॉलर रह गया है। मार्केटिंग डेटा एवं एनालिटिक्स फर्म कांतार की एक ब्रांड रिपोर्ट में यह आकलन पेश किया गया है। कांतार ब्रांड्ज की टॉप 75 मूल्यवान भारतीय ब्रांड रिपोर्ट कहती है कि इन ब्रांड के मूल्यांकन में यह गिरावट आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों, ब्याज दरों में तेजी और बाजार की अनिश्चितता के कारण हाल में कारोबार और उपभोक्ताओं पर पैदा हुए तनाव को दर्शाती है।

आर्थिक उठापटक को देखते हुए यह गिरावट मामूली: हालांकि, वैश्विक स्तर के टॉप 100 मूल्यवान ब्रांड के कुल मूल्यांकन में इस दौरान 20 प्रतिशत की गिरावट आई है, लेकिन रिपोर्ट कहती है कि मौजूदा आर्थिक उठापटक को देखते हुए यह गिरावट मामूली ही है। कांतार के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य ग्राहक अधिकारी (दक्षिण एशिया-अंतर्दृष्टि खंड) सौम्य मोहंती ने कहा, वैश्विक

ब्रांड्स की तुलना में भारत के टॉप ब्रांड्स के कुल मूल्यांकन में आई कम गिरावट इनके और भारतीय अर्थव्यवस्था के जुझारूपन को दर्शाती है। अगर हम निर्यात पर निर्भर बी2बी या प्रौद्योगिकी ब्रांड को हटा दें तो भारतीय ब्रांड का मूल्यांकन अधिक स्थिर और आंशिक रूप से बढ़ा ही नजर आता है।

मोहंती ने कहा कि असल में कई क्षेत्रों के मूल्य में वृद्धि हुई है और वाहन, दूरसंचार, वित्तीय सेवाएं एवं एफएमसीजी ब्रांड काफी स्थिर हैं। उन्होंने कहा, यदि आप इसकी तुलना 2019 से करते हैं तो हम अब भी कहीं ऊंचे स्तर पर हैं। कोविड गतिरोध से उबरने के बाद टॉप ब्रांड ने अपना मूल्य बरकरार रखा है।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सबसे मूल्यवान भारतीय ब्रांड: रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज 43 अरब डॉलर के साथ सबसे मूल्यवान भारतीय ब्रांड बना हुआ है। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, जियो, कोटक महिंद्रा बैंक और एचसीएल टेक का स्थान है। कांतार ब्रांड्ज दुनियाभर में सबसे मूल्यवान ब्रांड की रैंकिंग करता है। इसके लिए लाखों उपभोक्ताओं से साक्षात्कार लिया जाता है।

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की 'जनव्याख्यान माला 'को सम्बोधित करेंगे प्रोफ़ेसर अविजीत पाठक

भोपाल। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की 'जन व्याख्यान माला' के तहत 29 सितम्बर को शाम 4.30 से 6.00 बजे ईपीसीओ- ई-5, पर्यावरण परिसर, अरेराकॉलोनी, भोपाल में प्रसिद्ध विद्वानऔर शिक्षा विद्प्रोफ़ेसर अविजीत पाठक का व्याख्यान होगा। प्रोफ़ेसर पाठक के व्याख्यान का विषय है' आज के दौर में शिक्षक होने का अर्थ'। वे शिक्षा के क्षेत्र मेंबढ़ती चुनौतियों के बीच कक्षा में समालोचनात्मक शिक्षण, बहसों और चर्चाओं को प्रोत्साहित करने की ज़रूरत पर बातचीत करेंगे।प्रोफ़ेसर पाठक पिछलेतीन दशकों सेअधिक समय से जवाहरलालनेहरू विश्वविद्यालय में पढ़ाते रहे हैं।उनकी पुस्तकों और लेखों का संसार बेहद समृद्ध है। उन्होंने शिक्षा, समाजशास्त्र और सामाजिक प्रणालियों पर व्यापक विमर्श कोगढ़नेमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत का विदेशी कर्ज बढ़कर 629 अरब डॉलर के पार, आरबीआई ने जारी किए जून के आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का विदेशी कर्ज जून 2023 के आखिर में मामूली रूप से बढ़कर 629.1 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, हालांकि कर्ज-जीडीपी अनुपात में गिरावट आई है। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़ों में यह बात सामने आई। आंकड़ों के अनुसार, कर्ज में 4.7 अरब अमेरिकी डॉलर का इजाफा हुआ है। मार्च के आखिर में यह 624.3 अरब अमेरिकी डॉलर था।

सरकार का सामान्य बकाया कर्ज घटा: आरबीआई ने कहा कि जून 2023 के आखिर में विदेशी ऋण और सकल घरेलू उत्पाद का अनुपात घटकर 18.6 प्रतिशत हो गया, जो मार्च 2023 के आखिर में 18.8 प्रतिशत था। आरबीआई ने कहा कि सरकार का सामान्य बकाया कर्ज कम हुआ, जबकि गैर-सरकारी कर्ज जून 2023 के आखिर में बढ़ गया। इसके अलावा, विदेशी कर्ज में 32.9 प्रतिशत की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी कर्ज की रही। इसके बाद इसमें मुद्रा और जमा, व्यापार ऋण और एडवांस और ऋण प्रतिभूतियों का योगदान रहा।

इससे पहले भारत का विदेशी कर्ज मार्च, 2023 के आखिर में मामूली रूप से बढ़कर 624.7 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया था। दुनिया में सबसे ज्यादा कर्ज लेने वाले देशों में जापान का नाम शुमार है। अमेरिका भी कर्ज लेने के मामले में भारत से आगे है।

पीएम गति शक्ति: 52,000 करोड़ रुपए की छह ढांचागत परियोजनाओं को मंजूरी देने की सिफारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम गति शक्ति पहल के तहत 52,000 करोड़ रुपये की सड़क और रेलवे की छह बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं को मंजूरी देने की सिफारिश की गई है। एक आधिकारिक बयान में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, इससे पीएम गति शक्ति को शुरू करने के बाद से नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप (एनपीजी) द्वारा मूल्यांकन की गई परियोजनाओं की कुल संख्या 112 हो गई है, जिनकी कुल लागत करीब 11.53 लाख करोड़ रुपये है।

इन छह परियोजनाओं का मूल्यांकन 27 सितंबर को 56वीं एनपीजी की बैठक में किया गया। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा, '' पीएम गति शक्ति के तहत समूह की बैठक में छह परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन किया गया, जिसमें सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की चार परियोजनाएं और रेल मंत्रालय की दो परियोजनाएं शामिल हैं, जिनकी कुल परियोजना लागत करीब 52,000 करोड़ रुपये है।

अंतर-मंत्रालयी एनपीजी हर पखवाड़े बैठक करता है। इस दौरान वह क्रियान्वयन संबंधी प्रयासों तथा परियोजना स्थल के आसपास व्यापक विकास सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का मूल्यांकन करता है।

फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा को एयर इंडिया से मिला काम, कर्मचारियों के लिए बनाएंगे ड्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा एयर इंडिया के कर्मचारियों के लिए नयी यूनिफॉर्म को डिजाइन करेंगे। टाटा समूह की कंपनी एयर इंडिया ने अपने कर्मचारियों के लिये नई पोशाक तैयार करने के लिए मनीष मल्होत्रा के साथ समझौता किया है। बता दें कि एयर इंडिया एयरलाइन के 10,000 से अधिक कर्मचारियों में चालक दल के सदस्य, सुरक्षाकर्मी शामिल हैं।

क्या कहा एयर इंडिया ने: एयरलाइन ने कहा, यह एयर इंडिया के आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत उसकी नई वैश्विक ब्रांड पहचान बनाने की दिशा में उठाया गया एक और कदम है। एयर इंडिया को उम्मीद है कि

2023 के अंत तक कर्मचारियों के लिये नई पोशाक की योजना अमल में आ जाएगी।

टाटा समूह के हाथ में इस एयरलाइन का जनवरी, 2022 में नियंत्रण आने के बाद से ही इसे नया रंग-रूप देने की कोशिशें जारी हैं। अब कर्मचारियों के लिए डिजाइनर पोशाक की योजना भी उसी का हिस्सा है। मल्होत्रा और उनकी टीम ने एयर इंडिया के कर्मचारियों से मुलाकात, कामकाज से संबंधित उनकी विशेष जरूरतों को बेहतर ढंग से समझने के लिये उनके साथ चर्चा और बैठकें शुरू कर दी है। सीईओ ने क्या कहा: एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैम्पबेल विल्सन ने कहा, हमारे ब्रांड, हमारी विरासत और हमारी संस्कृति के तत्वों के साथ-साथ विमानन परिवेश की अनूठी जरूरतों के अनुरूप मल्होत्रा और उनकी टीम मिलकर काम कर रही है। हमें उम्मीद है कि यह नया और आकर्षक अंदाज होगा और नई एयर इंडिया का प्रतिनिधित्व करेगा।

शार्प चक्स एंड मशीन्स लिमिटेड का आईपीओ खुला

मुंबई, एजेंसी। फोर्जिंग प्रोडक्ट्स, कास्टिंग प्रोडक्ट्स और मशीन कॉम्पोनेंट्स के उत्पादन की क्षमता के साथ कुछ इंटीग्रेटेड कंपनियों में से एक, शार्प चक्स एंड मशीन्स लिमिटेड ने 29 सितंबर 2023 को इनिशियल पब्लिक आफरिंग (आईपीओ) के साथ पब्लिक में जाने की अपनी योजना की घोषणा की है. कंपनी का इरादा ?58 निश्चित मूल्य पर इस आईपीओ के मार्फत ?16.84 करोड़ जुटाने का है. शेयरों को एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट किया जाएगा. फ्रेश इश्यू साइज 9,75,484 इम्टी शेयर्स तक है और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) 10 प्रत्येक समभाव पर 19,28,516 इम्टी शेयर्स तक है. ओएफएस में सेलिंग शेयरहोल्डर स्ढ्ढष्ठख्ढ्ढ ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड/ष्ट इंडिया ऑपच्यरुनिटीज फंड है. आईपीओ से प्राप्त शुद्ध राशि का उपयोग कार्यशील पूंजी की जरूरत और आम कॉर्पोरेट कार्यों का वित्त पोषण करने के लिए किया जाएगा. इश्यू 05 अक्टूबर 2023 को बंद होगा. इश्यू की लीड मैनेजर फेडेक्स सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड है और इश्यू की रजिस्ट्रार स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है. शार्प चक्स एंड मशीन्स लिमिटेड के प्रमोटर और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री अजय सिक्का ने कहा, शार्प चक्स एंड मशीन्स लिमिटेड ग्रोथ एवं इनोवेशन की दिशा में रोमांचक यात्रा पर है इससे हमने पब्लिक में जाने का विशेष कदम उठाया है. 25 वर्षों के उल्लेखनीय समृद्ध विरासत के साथ हमने स्वयं को उद्योग में विख्यात निर्माता और निर्यातक के रूप में स्थापित किया है. हमारी वैश्विक पहुंच 30 देशों तक फैली हुई है, जो उच्च गुणवत्ता के लथ पावर चक्स, मशीन टूल्स और सहायक उपकरणों की डिलीवरी करने की हमारी प्रतिबद्धता की कसौटी है।

एचडीएफसी इर्गो ने इंश्योरेंस अवेयरनेस अवार्ड्स जूनियर क्विज 2023 के 8वें संस्करण का ग्रैंड फिनाले आयोजित किया

मुंबई, एजेंसी। भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने अपने 21वें स्थापना दिवस के अवसर पर मुंबई में इंश्योरेंस अवेयरनेस अवार्ड्स जूनियर क्विज 2023 के 8वें संस्करण का ग्रैंड फिनाले आयोजित किया।इस फिनाले में छह टीमों के बीच ज्ञान की कड़ी टक्कर देखने को मिली, जिसमें कैब्रिज कोर्ट हाई स्कूल, जयपुर से धरिया और वैभव राय ने भारत के 150 शहरों में 2,200 से अधिक स्कूलों के प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए विजेता का ताज पहना। न्यू एरा सीनियर सेकंडरी स्कूल, वडोदरा से आकृति बहुरे और हीर शाह तथा जवाहर लाल नेहरू स्कूल, भोपाल से कबीर दुबे और सुहानी नाहर को क्रमशः प्रथम और द्वितीय रनर अप का स्थान मिला।एचडीएफसी इर्गो साल 2016 से युवाओं के बीच इंश्योरेंस की जागरूकता बढ़ाने और इंश्योरेंस एवं समावेशन को बढ़ावा देने के लिए 8वीं और 9वीं कक्षा के विद्यार्थियों के बीच हर साल इंश्योरेंस अवेयरनेस अवार्ड्स जूनियर क्विज का आयोजन करता आ रहा है। इसकी शुरुआत 2016 में मुंबई में केवल 18 स्कूलों के साथ की गई, फिर पिछले 8 सालों में यह पूरे देश में आयोजित किया जाने लगा है, और अपनी स्थापना के बाद आज यह 16 लाख से ज़्यादा विद्यार्थियों पर सकारात्मक प्रभाव छोड़ रहा है।म्ज़ि के सफ़र की शुरुआत प्रारंभिक राउंड में 2,200 से अधिक टीमों के साथ हुई, जिसके बाद क्लस्टर राउंड और चार जोनल राउंड हुए। इनमें 6 फाइनलिस्ट टीमों का चयन ग्रैंड फिनाले के लिए हुआ। इस साल नियमित क्विज राउंड के अलावा सभी फाइनलिस्टों को जीडीमेटला, हैदराबाद में इसरो एनआरएसस्सी आउटरीच सुविधा की सरप्राइज़ विज़िट के साथ पृथ्वी का अवलोकन, संचार, नैविगेशन, गगनयान, चंद्रमा की खोज, और सौर अवलोकन का अवसर मिला, जिससे इन अत्याधुनिक वैज्ञानिक गतिविधियों में उनकी रुचि विकसित हुई। डॉ. एस. मुरलीकृष्णन, डिप्टी डायरेक्टर - इसरो नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर, हैदराबाद ने फिनाले में उपस्थित रहकर विद्यार्थियों को अपनी पाठ्य पुस्तकों के अलावा विभिन्न अन्य विषयों का व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया।इस अवसर पर एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस के एमडी एवं सीईओ, श्री रितेश कुमार ने कहा, यद्यपि भारत में समावेशी विकास की ओर महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है, पर इंश्योरेंस की जागरूकता अभी भी कम है, और विकसित अर्थव्यवस्थाओं से काफ़ी पीछे है।

29 सितंबर से पितृ पक्ष, जानें श्राद्ध करने का सही समय

29 सितंबर से श्राद्ध पक्ष प्रारंभ होने जा रहा है। पितृपक्ष के इन सोलह दिनों में पितृ-आराधना हेतु श्राद्ध व तर्पण इत्यादि किया जाता है। शास्त्र का वचन है- श्रद्धया इदम् श्राद्धम् अर्थात् पितरों के निमित्त श्रद्धा से किया गया कर्म ही श्राद्ध है।

श्राद्ध पक्ष में पितृगणों (पितरों) के निमित्त तर्पण व ब्राह्मण भोजन कराने का विधान है किंतु जानकारी के अभाव में अधिकांश लोग इसे उचित रीति से नहीं करते जो कि दोषपूर्ण है क्योंकि शास्त्रानुसार पितरो वाक्यमिच्छन्ति भावमिच्छन्ति देवता- अर्थात् देवता भाव से प्रसन्न होते हैं और पितृगण शुद्ध व उचित विधि से किए गए श्राद्धकर्म से।

श्राद्ध पक्ष में तर्पण एवं ब्राह्मण भोजन कराने से पितृ तृप्त होते हैं। श्राद्ध पक्ष में नित्य मार्कण्डेय पुराणान्तर्गत पितृ स्तुति करने से पितृ प्रसन्न होकर अपना आशीर्वाद प्रदान करते हैं। श्राद्ध पक्ष में कुतप काल में नित्य तर्पण करना चाहिए।

तर्पण सदैव काले तिल, दूध, पुष्प, कुश, तुलसी, नर्मदा/गंगा जल मिश्रित जल से करें। तर्पण सदैव पितृ-तीर्थ (तर्जनी व अंगूठे के मध्य का स्थान) से करना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति के लिए श्राद्धकर्म अनिवार्य है, वह करना ही चाहिए लेकिन उससे भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण है जीवित अवस्था में अपने माता-पिता की सेवा करना।

जिसने जीवित अवस्था में ही अपने माता-पिता को अपनी सेवा से संतुष्ट कर दिया हो उसे अपने पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता ही है। शास्त्र का वचन है- वित्तं शाठ्यं न समाचरेत अर्थात् श्राद्ध में कंजूसी नहीं करना चाहिए, अपनी सामर्थ्य से बढ़कर श्राद्ध कर्म करना चाहिए।

इस समय करेंगे श्राद्ध तो मिलेगा अक्षय पुण्य

श्राद्ध पक्ष के सोलह दिन पितृ स्मरण के दिन होते हैं। इन सोलह दिनों में पितृगणों की तृप्ति के लिए तर्पण, दान व ब्राह्मण भोजन इत्यादि कराया जाता है। वैसे तो वर्षभर श्राद्ध व तर्पण किया जा सकता है। श्राद्ध के भी कई प्रकार होते हैं जैसे नान्दी श्राद्ध, पार्वण श्राद्ध एवं मासिक श्राद्ध आदि किंतु श्राद्ध पक्ष के सोलह दिनों में तिथि अनुसार श्राद्ध करने से अनंत गुना फ़ल प्राप्त होता है एवं पितृगण संतुष्ट होकर अपने आशीष प्रदान करते हैं।

कुतप-काल में ही करें श्राद्ध कर्म

श्राद्ध पक्ष के सोलह दिनों में सदैव कुतप बेला में ही श्राद्ध संपन्न करना चाहिए। दिन का आठवां मुहूर्त कुतप काल कहलाता है। दिन के अपराह्न 11.36 मिनिट से 12.24 मिनिट तक का समय श्राद्ध कर्म के विशेष शुभ होता है। इस समय को कुतप काल कहते हैं। इसी समय पितृगणों के निमित्त धूप डालकर, तर्पण, दान व ब्राह्मण भोजन कराना चाहिए।

गजच्छाया योग में श्राद्ध का अनंत गुना फ़ल

शास्त्रों में गजच्छाया योग में श्राद्ध कर्म करने से अनंत गुना फ़ल बताया गया है। गजच्छाया योग कई वर्षों बाद बनता है इसमें किए गए श्राद्ध का अक्षय फ़ल होता है। गजच्छाया योग तब बनता है जब सूर्य हस्त नक्षत्र पर हो और त्रयोदशी के दिन मघा नक्षत्र होता है। यदि यह योग महालय (श्राद्ध पक्ष) के दिनों में बन जाए तो अत्यन्त शुभ होता है।

श्राद्ध क्यों करना चाहिए?

भाद्रपद की पूर्णिमा से आश्विन माह की अमावस्या तक श्राद्ध पर्व रहता है। यानी 16 दिनों तक श्राद्ध पर्व मनाया जाता है। इसे पितृपक्ष भी कहते हैं। इस दौरान हर घर के लोग अपने पूर्वज और मृतकों की शांति और सद्गति के लिए पिंडदान, तर्पण और पूजा करते हैं।

श्राद्ध कर्म है श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक

श्राद्ध कर्म करना एक सभ्य मनुष्य की निशानी है। पशु और पक्षियों में जो संवेदनशील होते हैं वे भी अपने परिवार के मृतकों के लिए निश्चित स्थान पर एकत्रित होकर संवेदना व्यक्त करते हैं। जिस पिता ने, दादा ने या पूर्वज ने आपका पालन-पोषण किया और आपको एक जीवन दिया उसके प्रति श्रद्धा रखते हुए उसकी शांति और मुक्ति का कर्म करने के लिए श्राद्ध करना चाहिए।

पूर्वजों और अतृप्त आत्माओं की सद्गति के लिए श्राद्ध कर्म करना चाहिए। अतृप्त की तृप्ति के लिए करना होता है श्राद्ध। प्रत्येक पुत्र या पौत्र या उसके सगे संबंधियों का उत्तरदायित्व होता है कि वह उक्त आत्मा की तृप्ति और सद्गति के उपाय करें ताकि वह पुन: जन्म ले सके।

अतृप्ति का कारण

अतृप्त इच्छाएं। जैसे भूखा, प्यासा, संभोगसुख से विरक्त, राग, क्रोध, द्वेष, लोभ, वासना आदि इच्छाएं और भावनाएं रखने वाले को और अकाल मृत्यु मरने वालों के लिए। जैसे हत्या, आत्महत्या, दुर्घटना या किसी रोग के चलते असमय ही मर जाना। आदि के लिए श्राद्ध करना जरूरी है। क्योंकि ऐसी आत्माओं को दूसरा जन्म मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है या कि वह अधोगति में चली जाता है।

उन्हें इन सभी से बचाने के लिए पिंडदान, तर्पण और पूजा करना जरूरी होता है। अतृप्ति के और भी कई कारण होते हैं। जैसे धर्म को नहीं जानना, गलत धारणा पालना, अनजाने में अपराध या बुरे कर्म करना, हत्या करना, आत्मत्या करना, बलात्कार, हर समय किसी न किसी का अहित करना या किसी भी निर्दोष मनुष्य या प्राणियों को सताना, चोर, डकैत, अपराधी, धूर्त, क्रोधी, नशेड़ी और कामी आदि लोग मरने के बाद बहुत ज्यादा दु:ख और संकट में फंस जाते हैं, क्योंकि कर्मों का भुगतान तो सभी को करना ही होता है। पितृ पक्ष एक ऐसा पक्ष रहता है जबकि उक्त सभी तरह की आत्माओं की मुक्ति का द्वारा खुल जाता है। तब धरती पर पितृयाण रहता है। जैसे पशुओं का भोजन तृण और मनुष्यों का भोजन अन्न कहलाता है, वैसे ही देवता और पितरों का भोजन अन्न का सार तत्व है। सार तत्व अर्थात गंध, रस और उष्मा। देवता और पितर गंध तथा रस तत्व से तृप्त होते हैं।

पितृपक्ष में कुतुप मुहूर्त में करते हैं श्राद्ध, यह क्या है और कब है?

भाद्रपद की पूर्णिमा से आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तक 16 दिन तक श्राद्ध पक्ष रहता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार इस बार 29 सितंबर 2023 शुक्रवार से पितृ पक्ष प्रारंभ हो रहे हैं। श्राद्धपक्ष में यदि आप पितरों के निमित्त, तर्पण, पिंडदान, पूजा आदि अनुष्ठान कर रहे हैं तो शास्त्रों के अनुसार कुतुप काल मुहूर्त में यह कर्म करें।

चार सबसे श्रेष्ठ समय - शास्त्रों के अनुसार कुतुप, रोहिणी, मध्याह्न और अभिजीत काल में श्राद्ध करना चाहिए। यही श्राद्ध करने का सही समय है।

क्या है कुतुप काल - कुतुप काल दिन के 11.30 बजे से 12.30 के मध्य का समय होता है। वैसे कुतुप बेला दिन का आठवां मुहुर्त होता है। पाप का शमन करने के कारण इसे कुतुप कहा गया है।

अभिजीत मुहूर्त - अभिजीत मुहूर्त हर दिन के हिसाब से अलग अलग होता है। किसी दिन यह नहीं भी रहता है। यह कुतुप काल के आसपास का ही मुहूर्त होता है।

अभिजीत मुहूर्त - सुबह 11.53 से 12.41 तक।

रोहिणी काल - रोहिणी काल अर्थात रोहिणी नक्षत्र काल के दौरान श्राद्ध किया जा सकता है।

रोहिणी मुहूर्त - दोपहर 12.41 से 01.29 तक।

मध्याह्नकाल - यदि कुतुप, अभिजीत या रोहिणी काल ज्ञात न हो तो मध्याह्नकाल या अपराह्न काल में श्राद्ध करना श्रेष्ठ रहता है। यानी श्राद्ध का समय तब होता है जब सूर्य की छाया पैरों पर पड़ने लगे।

अपराह्न मुहूर्त - दोपहर 01.29 से 03.53 तक

16 दिनों की हर तिथि में छुपा है राज, हर श्राद्ध से मिलता है खास आशीर्वाद

पितरों का ऋण चुकाना एक जीवन में तो संभव ही नहीं, अत: उनके द्वारा संसार त्याग कर चले जाने के उपरांत भी श्राद्ध करते रहने से उनका ऋण चुकाने की परंपरा है। श्राद्ध से जो भी कुछ देने का हम संकल्प लेते हैं वह सब कुछ उन पूर्वजों को अवश्य प्राप्त होता है। श्राद्ध पक्ष सोलह दिन तक आश्विन मास की पूर्णिमा से अमावस्या तक रहता है। जिस तिथि में जिस पूर्वज का स्वर्गवास हुआ हो उसी तिथि को उनका श्राद्ध किया जाता है जिनकी परलोक गमन की तिथि ज्ञान न हो, उन सबका श्राद्ध अमावस्या को किया जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आश्विन माह के कृष्ण पक्ष में आने वाली तिथियों को ही पितृ पक्ष या श्राद्ध पक्ष कहा जाता है। श्राद्ध पक्ष की शुरुआत 29 सितंबर 2023 से हो गई है और 14 अक्टूबर 2023 को श्राद्ध महालय पर इसकी समाप्ति होगी।

पितृ प्रार्थना : हे प्रभु मैंने अपने हाथ आपके समक्ष फैला दिए हैं, मैं अपने पितरों की मुक्ति के लिए आपसे प्रार्थना करता हूं, मेरे पितर मेरी श्रद्धा भक्ति से संतुष्ट हो'। ऐसा करने से व्यक्ति को पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है।

जो पूर्णमासी के दिन श्राद्धादि करता है उसकी बुद्धि, पुष्टि, स्मरणशक्ति, धारणाशक्ति, पुत्र-पौत्रादि एवं ऐश्वर्य की वृद्धि होती। वह पर्व का पूर्ण फल भोगता है।

प्रतिपदा धन-सम्पत्ति के लिए होती है एवं श्राद्ध करनेवाले की प्राप्त वस्तु नष्ट नहीं होती।

द्वितीया को श्राद्ध करने वाला व्यक्ति राजा होता है।

उत्तम अर्थ की प्राप्ति के अभिलाषी को तृतीया विहित है।

चतुर्थी शत्रुओं का नाश करने वाली और पाप नाशिनी है।

पंचमी तिथि को श्राद्ध करने वाला उत्तम लक्ष्मी की प्राप्ति करता है।

जो षष्ठी तिथि को श्राद्धकर्म संपन्न करता है उसकी पूजा देवता लोग करते हैं।

जो सप्तमी को श्राद्धादि करता है उसको महान यज्ञों के पुण्यफल प्राप्त होते हैं और वह गणों का स्वामी होता है।

जो अष्टमी को श्राद्ध करता है वह सम्पूर्ण समृद्धियां प्राप्त करता है।

नवमी तिथि को श्राद्ध करने वाला प्रचुर ऐश्वर्य एवं मन के अनुसार अनुकूल चलने वाली स्त्री को प्राप्त करता है।

दशमी तिथि को श्राद्ध करने वाला मनुष्य ब्रह्मत्व की लक्ष्मी प्राप्त करता है।

एकादशी का श्राद्ध सर्वश्रेष्ठ दान है। वह समस्त वेदों का ज्ञान प्राप्त कराता है। उसके सम्पूर्ण पापकर्मों का विनाश हो जाता है तथा उसे निरंतर ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

द्वादशी तिथि के श्राद्ध से राष्ट्र का कल्याण तथा प्रचुर अन्न की प्राप्ति कही गई है।

त्रयोदशी के श्राद्ध से संतति, बुद्धि, धारणाशक्ति, स्वतंत्रता, उत्तम पुष्टि, दीर्घायु तथा ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन का विशेष महत्व है

महालय अर्थात पितृ पक्ष प्रारंभ हो चुका है। हिन्दू परंपरा में पितृ पक्ष आने पर अपने पितृगणों की तृप्ति हेतु श्राद्ध किया जाता है। इसके अंतर्गत तर्पण, पिंड दान, ब्राह्मण भोजन आदि का विधान है। श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन का विशेष महत्व होता है।

शास्त्रानुसार ब्राह्मणों के मुख द्वारा ही देवता 'हव्य' एवं पितर 'कव्य' ग्रहण करते हैं। लेकिन श्राद्ध पक्ष में ब्राह्मण भोजन के भी विशेष नियम होते हैं। श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मणों को इनका अनुपालन करना आवश्यक होता है। आइए जानते हैं कि शास्त्रानुसार श्राद्ध का भोजन ग्रहण करने वाले ब्राह्मणों को किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।

- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण को संध्या करना आवश्यक है। श्राद्ध भोज करने वाला ब्राह्मण श्रोत्रिय होना चाहिए जो गायत्री का नित्य जप करता हो।
- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण को श्राद्ध में भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करना चाहिए, आवश्यकतानुसार केवल हाथ का संकेत करना चाहिए।
- श्राद्ध भोज करते समय ब्राह्मण को भोजन की निंदा या प्रशंसा नहीं करनी चाहिए।
- श्राद्ध भोज करने वाले ब्राह्मण से भोजन के विषय में अर्थात 'कैसा है' यह प्रश्न नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को पुर्नभोजन अर्थात्एक ही दिन दो या तीन स्थानों पर श्राद्ध भोज नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को श्राद्ध भोज वाले दिन दान नहीं देना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को श्राद्ध भोज वाले दिन मैथुन नहीं करना चाहिए।
- श्राद्ध भोक्ता ब्राह्मण को केवल चांदी, कांसे या पलाश के पत्तों पर परोसा गया भोजन ही करना चाहिए। श्राद्ध में लोहे व मिट्टी के पात्रों का सर्वथा निषेध बताया गया है।

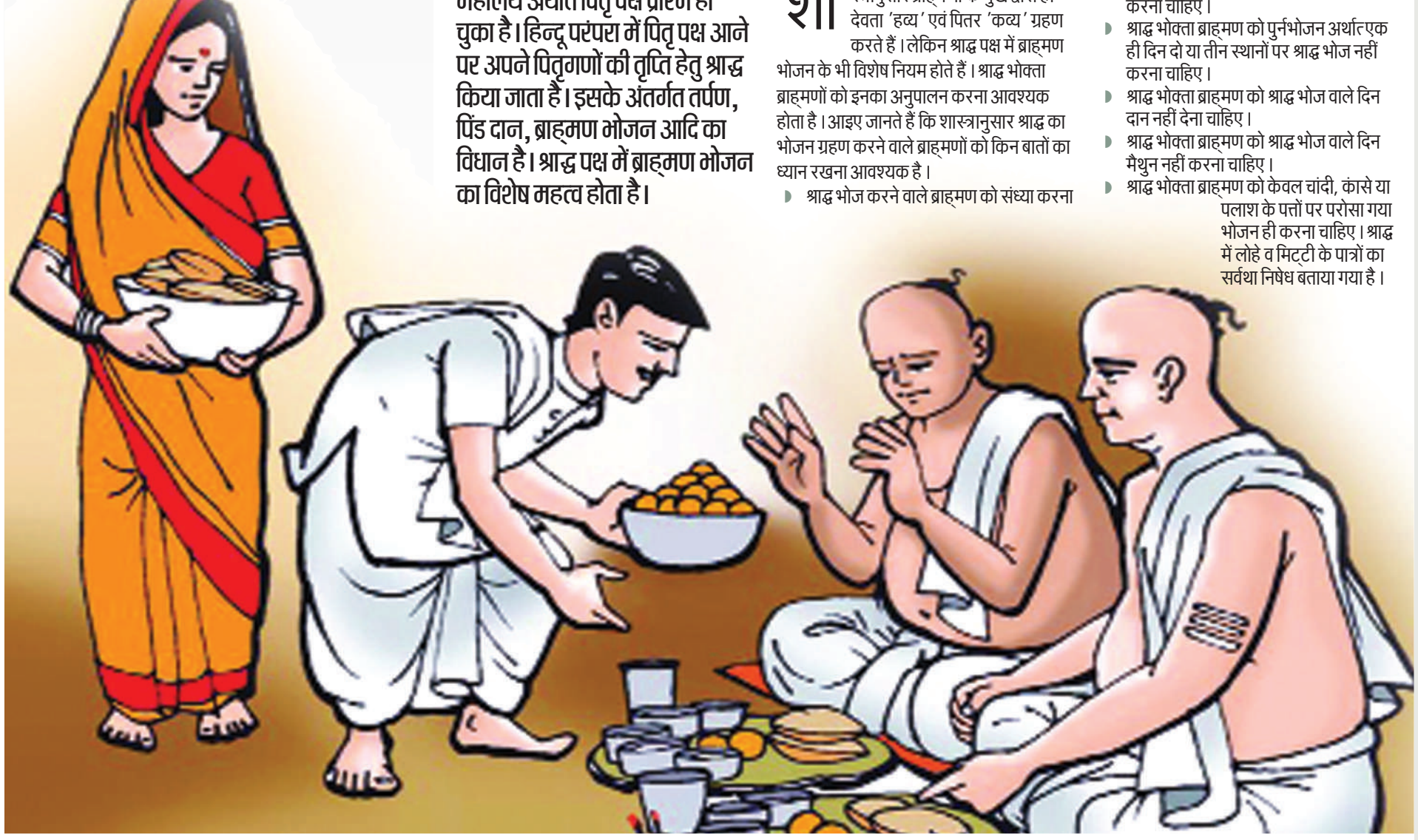

'समाज से निकली प्रतिभाएं राष्ट्र विकास की आधारशिला रखती हैं'

श्री श्रीगौड़ विद्या मंदिर संस्था (न्यास) का प्रतिभा सम्मान एवं अभिनंदन संपन्न

इंदौर। समाज की प्रतिभाओं को पहचानकर उनका सम्मान करना सामाजिक संगठनों का कर्तव्य होता है। यही प्रतिभाएं भविष्य में राष्ट्र निर्माण के विकास कार्यों की आधारशिला रखती हैं। यह उद्गार श्री श्रीगौड़ विद्या मंदिर संस्था (न्यास) द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान एवं अभिनंदन समारोह में पधारे अतिथियों ने व्यक्त किए। संस्था के उपाध्यक्ष मनोज पंडित एवं सचिव राजेंद्र व्यास ने बताया कि धार्मिक, सांस्कृतिक, रचनात्मक और सामाजिक गतिविधियों के जागरूक संगठन के रूप में पहचान बना चुके संस्था ने समाज के 110 बच्चों को उनकी उपलब्धियों के लिए पुरस्कृत किया। समाज की विभूति शिक्षक राधेश्याम व्यास, नितिन तिवारी (महाप्रबंधक इफ्का), दिनेश दुबे (से.नि. अधीक्षण अभियंता) को प्रशस्ति पत्र, शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज की सात महिलाओं को डी.पी. जोशी न्यास के सहयोग से सिलाई मशीनें वितरित की गईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता नरेंद्र जोशी (से.नि. महाप्रबंधक ओएनजीसी), मुख्य अतिथि अनिल जोशी (अधीक्षण अभियंता आईडीए) एवं विशेष अतिथि राघवेंद्र देराश्री (आचार्य श्री सरस्वती शिशु मंदिर) की आतिथ्य में संपन्न हुआ। अतिथि एवं विभूतियों का सम्मान संस्था अध्यक्ष सुरेशचंद्र दुबे, सचिव राजेंद्र व्यास, उपाध्यक्ष मनोज पंडित, कोषाध्यक्ष संजय पाठक, सह-सचिव रितेश मंडलोई ने किया। समारोह में बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों ने माता सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। समाज के नन्हें बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में मधुर गीत-संगीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन मनोज पंडित ने किया तथा आभार संजय पाठक ने माना।

भारतीय निशानेबाजों का एशियाई खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

हांगझोऊ, एजेंसी

भारत के युवा निशानेबाजों का एशियाई खेलों में सोना उगलने का सिलसिला शुक्रवार को भी जारी रहा जब दो स्वर्ण और तीन रजत का इजाफा करके उन्होंने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर दिखाया। पिछले छह दिन में भारतीय निशानेबाजों ने छह स्वर्ण और सात रजत समेत 18 पदक जीते हैं।

इससे पहले एशियाई खेलों की निशानेबाजी स्पर्धा में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2006 दोहा खेलों में था जब 14 पदक जीते थे। पलक गूलिया और ईशा सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए क्रमश-स्वर्ण और रजत पदक जीते। वहीं टीम वर्ग में 18 वर्ष की ईशा (579), पलक (577) और दिव्या टीएस (575) का कुल स्कोर 1731 रहा। चीन ने 1736 अंक लेकर स्वर्ण पदक जीता जो एशियाई खेलों का रिकॉर्ड भी है। चीनी ताइपै को कांस्य पदक मिला।

इसके बाद 22 वर्ष के ऐश्वर्य ने राइफल थ्री पोजिशंस में रजत पदक जीता। पलक और ईशा ने व्यक्तिगत वर्गमें एक दूसरे को कड़ी चुनौती देते हुए शीर्ष दो स्थान हासिल किये।17 वर्ष की पलक ने स्वर्ण और ईशा ने रजत पदक जीता।पाकिस्तान की तलत किश्माला को कांस्य पदक मिला। पलक का यह अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में पहला व्यक्तिगत पदक है। उसने फाइनल में 242 . 1 स्कोर किया जो एशियाई खेलों में रिकॉर्ड है।ईशा ने महिलाओं की 25 मीटर

पिस्टल स्पर्धा में रजत भी जीता है।वहीं ईशा, मनु भाकर और रिदम सांगवान ने टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

बुधवार को 25 मीटर पिस्टल में व्यक्तिगत रजत जीतने वाली ईशा 10 मीटर एयर पिस्टल रजत जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थी। ईशा ने व्यक्तिगत फाइनल में 239 . 7 स्कोर किया। पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में भारत ने विश्व रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (591), स्वप्निल कुसाले (591) और अखिल श्योराण (587) टीम में थे जिन्होंने चीनी चुनौती से पार पाते हुए 1769 स्कोर किया। चीन 1763 अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहा जबकि दक्षिण कोरिया को कांस्य पदक मिला। ऐश्वर्य और स्वप्निल ने क्वालीफिकेशन में पहले और दूसरे स्थान पर रहकर व्यक्तिगत वर्ग के फाइनल में भी प्रवेश कर लिया। अखिल पांचवें स्थान पर रहते हुए भी फाइनल में जगह नहीं बना सके क्योंकि आठ टीमों के फाइनल में एक देश से दो ही प्रतियोगी भाग ले सकते हैं।

अगले साल पेरिस ओलंपिक में पदक उम्मीद स्वप्निल ने क्वालीफिकेशन में एशियाई रिकॉर्ड तोड़ते हुए 591 स्कोर किया। ऐश्वर्य का भी यही स्कोर था लेकिन इनर 10 ज्यादा मारने के कारण स्वप्निल शीर्ष रहे। फाइनल में स्वप्निल और ऐश्वर्य दोनों स्वर्ण की दौड़ में थे। ऐश्वर्य ने 459 .7 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता जबकि चीन के डु लिंशू ने 460 . 6 के स्कोर के साथ एशियाई खेलों का रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया।

स्वप्निल पूरी स्पर्धा में स्वर्ण की दौड़ में जग रहे थे लेकिन एक खराब शॉट पर 7 . 6 ही स्कोर कर पाने के कारण वह पहले से पांचवें स्थान पर खिसक गए। इससे पदक की दौड़ से बाहर होकर चौथे स्थान पर रहे। ऐश्चर्य ने 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस टीम स्पर्धाओं में स्वर्ण और व्यक्तिगत वर्ग में कांस्य तथा रजत पदक जीते।

मनिका बत्रा टेबल टेनिस स्पर्धा में क्वार्टर फाइनल में पहुंची

हांगझोऊ, एजेंसी

राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता मनिका बत्रा ने शुक्रवार को यहां एशियाई खेलों की टेबल टेनिस स्पर्धा में महिला एकल क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर पदक की उम्मीदें बरकरार रखीं। पुरुष खिलाड़ियों के लिए हालांकि यह दिन मिश्रित नतीजे वाला रहा। मनिका ने करीबी मुकाबले में थाईलैंड की सुथासिनी सावेटाबुट को 4-2 (11-7, 6-11, 12-10, 11-13, 12-10, 11-6) से हराकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

मनिका 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता है। उन्होंने इंडोनेशिया में हुए पिछले एशियाई खेलों में मिश्रित युगल में कांस्य पदक जीता था। वह क्वार्टर फाइनल में विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज चीन की यिदी वांग से भिडेंगी। इन खेलों में यह पदक जीतने का उनका आखिरी मौका होगा। पुरुषों के अंतिम 16 दौर में मानव विकास ठक्कर और मानुष उत्पलभाई शाह की भारतीय जोड़ी ने इजाक क्वेक योंग और येव एन कोएन पैंग को 3-2 (3-11, 11-9, 11-6, 5-11) से हराया। मानव और मानुष की जोड़ी का अगला मुकाबला कोरिया के वूजिन जांग और लिम जोंग-हून से होगा।

टेनिस में भारत ने जीता सिल्वर मेडल

एशियन गेम्स 2023 के टेनिस डबल्स के फाइनल में रामकुमार रामनाथन और साकेत माइनेनी को जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा। लेकिन इसके साथ ही इस जोड़ी ने टेनिस में सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। भारतीय जोड़ी को फाइनल में चीनी ताइपै के सू यु सियू और जैसन जुंग ने फाइनल में सीधे सेटों में हराया। गैर वरीय चीनी ताइपै टीम के दोनों सदस्यों सू और जुंग की एकल रैंकिंग बेहतर थी जो उनके खेल में भी नजर आया। रामकुमार का एशियाई खेलों में ये पहला और माइनेनी का तीसरा पदक है। वह 2014 इंचियोन खेलों में सतनाम सिंह के साथ पुरुष युगल सिल्वर और सानिया मिर्जा के साथ मिश्रित युगल गोल्ड जीता था। हालांकि, इस बार टेनिस में ये अभी तक का एकमात्र मेडल है। जकार्ता में 2018 में भारत ने तीन मेडल जीते थे। रोहन बोपन्ना और रुतुजा भोसले भी मिश्रित युगल सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। जिससे उनका पदक पक्का हो गया है। वहीं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने एशियाई खेलों में टेनिस में सिल्वर मेडल जीतने वाली इस जोड़ी को बधाई दी है।

हारकर भारतीय महिला बैडमिंटन टीम हुई बाहर

पी वी सिंधू की अगुवाई में भारतीय महिला बैडमिंटन टीम एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड से 0 .3 से हारकर बाहर हो गई। थाईलैंड की चुनौती भारत के लिये कठिन ही थी चूंकि थाई टीम में पूर्व विश्व चैम्पियन रेचानोक इंतानोन, दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग और दुनिया की 17वें नंबर की खिलाड़ी सुपानिदा केटथोंग शामिल हैं।दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को चोचुवोंग के हाथों पहले एकल मैच में 21 .14, 15 .21, 14 .21 से पराजय झेलनी पड़ी। इसके बाद दुनिया की 17वें नंबर की जोड़ी त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को जोंगकोलफान किट्टीठाराकुल और रविंडा पी ने 21. 19, 21 . 5 से मात दी।अष्मिमा चालिहा को बुसानन ओंगबामरूंगफान ने 21 .9, 21 .16 से हराया। महिला टीम ने 2014 में इंचियोन में कांस्य पदक जीता था। बाद में पुरूष टीम क्वार्टर फाइनल में नेपाल से खेलेगी।

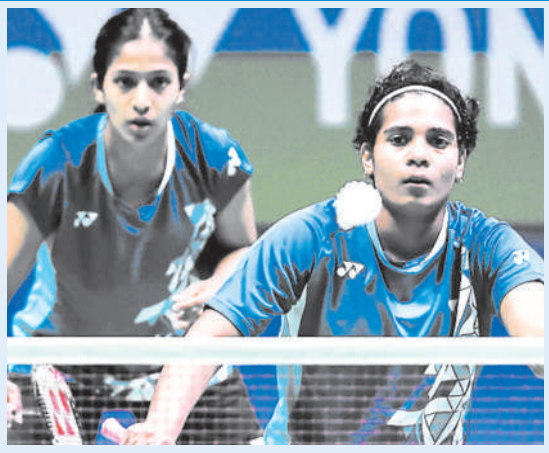

विश्व कप के लिए सभी 10 टीमें घोषित; भारत-ऑस्ट्रेलिया ने किया एक-एक बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में कुछ दिन बाद वनडे विश्व कप की शुरुआत होगी। टूर्नामेंट के 13वें संस्करण की शुरुआत पांच अक्तूबर को होगी। फाइनल मुकाबला 19 नवंबर को खेला जाएगा। विश्व कप में इस बार 10 टीमें हिस्सा लेंगी। मेजबान भारत के अलावा गत विजेता इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड का खेलना तय है। इनमें से कई टीमें तो भारत पहुंच भी चुकी हैं।

2019 वनडे विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता था। इस बार जोस बटलर की अगुआई में यह टीम अपने खिताब की रक्षा करने उतरेगी। अब तक सभी 10 टीमों ने अपनी-अपनी टीमों की घोषणा कर दी है। 28 सितंबर टीमों में बदलाव करने की आखिरी तारीख थी। अब किसी भी देश को अपनी टीम में बदलाव करने के लिए पहले आईसीसी से इजाजत लेनी होगी।

28 सितंबर यानी गुरुवार को दो टीमों ने अपने-अपने स्क्वॉड में एक-एक बदलाव किए। इनमें भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टीम में ऑलराउंडर एश्टन

एगर की जगह बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को और भारत ने चोटिल ऑलराउंडर अक्षर पटेल की जगह ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को अपने स्क्वॉड में शामिल किया है।

अफगानिस्तान

हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, इकराम अलीखिल, अजमतुल्ला उमरजई, राशिद खान, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, अब्दुल रहमान, नवीन उल हक।

ऑस्ट्रेलिया

पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, एलेक्स कैरी, जोश इंग्लिस, शॉन एबॉट, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, मार्नस लाबुशेन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वॉर्नर, एडम जम्पा, मिचेल स्टार्क।

बांग्लादेश

शाकिब अल हसन (कप्तान), लिटन दास, तंजीद हसन तमीम, नजमुल हुसैन शान्तो (उपकप्तान), तौहीद हृदोय, मुश्फिकुर रहीम, महमुदुल्लाह रियाद, मेहदी हसन मिराज, नसुम अहमद, शाक महेदी हसन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान , हसन महमूद, शोरिफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब।

इंग्लैंड (डिफेंडिंग चैंपियंस)

जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, गस एटकिंसन, जॉनी बेयरस्टो, सैम करन, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मालन, आदिल राशिद, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स, रीस टॉपले, डेविड विली, मार्क वुड, क्रिस वोक्स।

भारत

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या (उप-कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, रविचंद्रन अश्विन, ईशान किशन ,सूर्यकुमार यादव।

नीदरलैंड

स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), मैक्स ओ%डोड, बास डी लीडे, विक्रम सिंह, तेजा निदामानुरु, पॉल वैन मीकेरेन, कॉलिन एकरमैन, रोल्फ वैन डर मर्व, लोगान वैन बीक, आर्यन दत्त, रयान क्लेन, वेस्ले बरेंसी, साकिब जुल्फिकार, शारिज अहमद, साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट।

न्यूजीलैंड

केन विलियमसन (कप्तान), ट्रेंट बोल्ट, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लोकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लाथम, डेरिल मिचेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिच सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साऊदी, विल यंग।

पाकिस्तान

बाबर आजम (कप्तान), शादाब खान, फखर जमान, इमाम-उल-हक, अब्दुल्ला शफीक, मोहम्मद रिजवान, सऊद शकील, इफ्तिखार अहमद, सलमान अली आगा, मोहम्मद नवाज, उसामा मीर, हारिस रऊफ, हसन अली, शाहीन अफरीदी, मोहम्मद वसीम।

दक्षिण अफ्रीका

तेम्बा बावुमा (कप्तान), गेराल्ड कोएत्जी, क्विंटन डिकॉक, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसेन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एंडिले फेहलुकवायो, कगिसो रबाडा, तबरेज शम्सी, रासी वान डर डुसेन, लिजाड विलियम्स।

मुंबई डायरीज़ सीजन 2 फिर तहलका मचाने आ रहे मोहित रैना

मोहित रैना स्टारर वेब सीरीज मुंबई डायरीज 2 बहुत जल्द ओटीटी पर तहलका मचाने आ रही है। अक्टूबर के शुरुआत में ही प्राइम वीडियो पर 8 एपसोड की ये सीरीज आ रही है जिसमें कोंकणा सेन शर्मा से लेकर मोहित रैना, टीना देसाई जैसे कई कलाकार हैं। मोहित रैना स्टारर वेब सीरीज मुंबई डायरीज मेकर्स ने इस सीरीज के दूसरे पार्ट को लेकर नई अपडेट दी है। प्राइम वीडियो ने मज़ेदार मेडिकल ड्रामा मुंबई डायरीज़ के दूसरे सीज़न के प्रीमियर की घोषणा की, जो अगले महीने के शुरुआत में 6 अक्टूबर से शुरू होगा! प्राइम वीडियो के पॉप्युलर सीरीज में से एक मेडिकल ड्रामा मुंबई डायरीज दूसरे सीज़न के प्रीमियर की की घोषणा कर दी। 6 अक्टूबर को शुरू होने वाला यह दूसरा सीज़न बॉम्बे जनरल हॉस्पिटल के डॉक्टरों, ट्रेनिंग लेने वालों और कर्मचारियों के साथ आतंकवादी हमलों से पैदा हुए हालातों और उसके बाद उनके खुद के संघर्षों से निपटने के साथ-साथ मुंबई में आई बाढ़ से हुई तबाही की मिलीजुली मजेदार कहानी है। सीरीज की कहानी बड़ी बारीक़ी से रची गई है, अलग-अलग हालातों का सामना करते हुए इंसानी जज़्बातों और डटे रहने की एक मनोरंजक कहानी है ये।

हरफ़नमौला कलाकारों को फिर से शामिल किया गया है

निखिल आडवाणी द्वारा प्रड्यूस और निर्देशित और एमए एंटरटेनमेंट की मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवानी द्वारा प्रड्यूस की गई है। इस मेडिकल ड्रामा सीरीज़ में पिछले सीज़न के बेहद हरफ़नमौला कलाकारों को फिर से शामिल किया गया है, जिसमें कोंकणा सेन शर्मा, मोहित रैना, टीना देसाई , श्रेया धनवंतरी, सत्यजीत दुबे, नताशा भारद्वाज,मृण्मयी देशपांडे और प्रकाश बेलावाड़ी शामिल हैं।

बॉम्बे जनरल हॉस्पिटल की मेडिकल टीम की कहानी

प्राइम वीडियो इंडिया के हिंदी ओरिजिनल्स के प्रमुख निखिल मधोक ने कहा, मुंबई डायरीज़ का दूसरा सीज़न ,बॉम्बे जनरल हॉस्पिटल की मेडिकल टीम की कहानी को वास्तविक और तूफ़ान जैसे हालातों के बीच रखकर आगे बढ़ाता है। मुझे यकीन है कि मुंबई डायरीज़ का यह नया सीज़न अपनी वास्तविकता के साथ न केवल देश के भीतर, बल्कि दुनिया भर के दर्शकों के बीच गहरी पकड़ बनाएगी।

मेडिकल समुदाय के जांबाज़ों के इम्तिहानों और जीत की कहानी

निर्माता और निर्देशक निखिल आडवाणी ने कहा, मुंबई डायरीज़ एक बारीकी से लिखा गया मेडिकल ड्रामा है जो हमारे सबसे आगे रहकर काम करने वाले कर्मचारियों और मेडिकल समुदाय के जांबाज़ों के इम्तिहानों और जीतों की दुनिया से हमें रूबरू कराता है। मुंबई डायरीज़ 26/11 को मिले ज़बरदस्त स्नेह और तारीफ के बाद, हमने इस सीज़न में अपने मुख्य नायकों के लिए काम और भी मुश्किल कर दिया है क्योंकि उन्हें उन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा जो उन्हें सभी तरह के हालातों में परखेंगी।

मोहित रैना के अलावा कोंकणा सेन शर्मा, टीना देसाई जैसे कलाकार बता दें कि आठ-एपिसोड की इस सीरीज़ में मोहित रैना के अलावा कोंकणा सेन शर्मा, टीना देसाई, श्रेया धनवंतरी, सत्यजीत दुबे, नताशा भारद्वाज, मृण्मयी देशपांडे और प्रकाश बेलवाड़ी सहित कई जाने-माने कलाकार शामिल हैं।

रणबीर कपूर के बर्थडे पर आलिया भट्ट ने खास अंदाज में दी बधाई

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर 28 सितंबर को अपना 41वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस मौके पर रणबीर को फैंस और सेलेब्स की तरफ से बधाईयां मिल रही है। आलिया भट्ट ने भी अपने पति रणबीर को बर्थडे की बधाई देते हुए उनका एक सीक्रेट रिवील किया है। आलिया भट्ट ने रणबीर के साथ कुछ अनदेखी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की है। पहली तस्वीर में आलिया पति को किस करती नजर आ रही हैं। एक अन्य तस्वीर में कपल स्टेडियम में बॉलीबाल मैच का लुफ्त लेता नजर आ रहा है। एक तस्वीर में आलिया को नंबर 8 के साथ पोज देते देखा जा सकता है। इसके बाद आलिया ने अपनी शादी की तस्वीरें शेयर की है। वहीं, लास्ट तस्वीर रणबीर के फेस की क्लोज-अप है।

टाइगर के किरदार को लार्जर दैन लाइफ बनाना चाहता था

यशराज फिल्म्स ने 27 सितंबर को टाइगर का मैसेज जारी किया। जारी होने के साथ ही यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। दर्शकों ने इसे बेइंतहा पसन्द किया। अपने संदेश में टाइगर ने बताया कि वो देशभक्त है, लेकिन उसे गद्दार साबित किया जा रहा है। इस फिल्म का निर्देशन मनीष शर्मा ने किया है, जो इससे पहले यशराज फिल्म्स के लिए बैंड बाजा बारात और फैन का निर्देशन कर चुके हैं। फैन में उन्होंने शाहरुख खान को बेहतरीन दोहरी भूमिका में दिखाया था, लेकिन अफसोस फिल्म असफल साबित हो गई थी। टाइगर-3 के टीजर को देखने के बाद कहा जा रहा है कि मनीष सफल निर्देशकों की सूची में शामिल होंगे। टाइगर का मैसेज जारी होने के बाद हाल ही में दिए अपने एक साक्षात्कार में मनीष ने कहा, पिछले एक दशक में टाइगर का किरदार सबसे लोकप्रिय बन गया है। टाइगर की कहानी को आगे बढ़ाना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं टाइगर को लोगों के सामने ऐसे दिखाना चाहता था, जैसे मैंने खुद उसे एक सिनेमा लवर की तरह देखा था। मैं इसे लार्जर देन लाइफ बनाना चाहता था।

इस बार आत्म सम्मान की जंग लड़ेगा टाइगर

27 सितंबर को रिलीज हुए टाइगर के मैसेज में बताया कि सलमान खान यानी रॉ का एजेंट टाइगर खतरे में है। उसके ऊपर देशद्रोह का आरोप लगा है। वो इन आरोपों को खत्म करना चाहता है। अपने आप को निर्दोष साबित करने के लिए वो एक जानलेवा मिशन पर निकलता है। टाइगर अपने देश, अपने परिवार के लिए अपने नाम पर लगे धब्बे को हटाना चाहता है। इस संबंध में बात करते हुए मनीष कहते हैं, 'इस बार, यह केवल भारत को बचाने के बारे में नहीं है, बल्कि अपने और अपने परिवार के लिए खड़े होने के बारे में है। भारत का नंबर एक एजेंट इस बार भारत का दुश्मन नंबर एक है और मुझे लगता है कि लोगों को इस एक्शन एंटरटेनर को देखने में मजा आएगा। टाइगर का मैसेज के अंत में सलमान को यह कहते हुए दिखाया गया है कि जब तक टाइगर मरा नहीं, तब तक टाइगर हारा नहीं।' मनीष ने खुलासा किया कि इसकी संकल्पना आदित्य चोपड़ा द्वारा की गई थी और उन्होंने ही यह डायलॉग लिखा था। यह उनका मास्टरस्ट्रोक है।

गणपति विसर्जन के दौरान दलदल में फंसे दो सगे भाई, बचाने गया बड़ा भी डूबा; परिवार में मातम पसरा

नई दिल्ली, एजेंसी।
नोएडा सेक्टर-31 निठारी गांव निवासी दो सगे भाइयों की मूर्ति विसर्जन के बाद यमुना के दलदल में फंसने से जान चली गई। उनका एक और भाई अस्पताल में भर्ती है। इस घटना से उनके परिवार में मातम पसर गया। धीरज राजपूत ने बताया कि वह मूलरूप से बदायूं के रहने वाले हैं और पिछले 15 साल से निठारी में परिवार के साथ किराये के मकान में रह रहे हैं। वह पिछले पांच वर्ष से घर में गणपति स्थापित कर पूजा करते आ रहे हैं।

इस साल भी उन्होंने अपने घर पर गणपति की मूर्ति स्थापित की। गुरुवार दोपहर दो बजे वह परिवार के सदस्यों और करीब 20 लोगों को साथ लेकर यमुना में मूर्ति विसर्जित करने के लिए निकले। करीब 330 बजे चिल्ला खादर मयूर विहार के पास यमुना में मूर्ति का विसर्जन करने के बाद सभी लोग स्नान कर रहे थे। इसी दौरान उनका छह वर्षीय छोटा बेटा कृष्णा अपने बड़े भाई 15 वर्षीय नीरज और 17 साल के सचिन के साथ यमुना में नहाने चला गया। उनके साथ गए अन्य लोग भी थे।

कृष्णा अचानक दलदल में फंसकर डूबने लगा। उसे बचाने के लिए नीरज गया तो वह भी डूब गया। इसके बाद उनका बेटा सचिन और 19 वर्षीय पड़ोसी अभिषेक भी डूब गए। लोगों ने चारों को बाहर निकाला। उनके पेट से पानी निकालने की कोशिश की गई, लेकिन उन्हें होश नहीं आया। चारों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

डीडीए ने रोशनआरा क्लब को सील कर कब्जे में लिया, बिल्डिंग के पास पुलिस बल तैनात

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अधिकारियों ने शुक्रवार तड़के उत्तरी दिल्ली के शक्ति नगर में रोशनआरा क्लब को सील कर बिल्डिंग को अपने कब्जे में ले लिया। हालांकि, रोशनआरा क्लब के अधिकारियों ने डीडीए अफसरों पर आरोप लगाया कि 6 अक्टूबर तक हाईकोर्ट की रोक के बावजूद सीलिंग की कार्रवाई की गई। 1922 में स्थापित यह क्लब दिल्ली के सबसे पुराने क्लबों में से एक है।

डीडीए के अधिकारियों ने शुक्रवार तड़के दिल्ली के शक्ति नगर में स्थित रोशनआरा क्लब की बिल्डिंग को अपने कब्जा में ले लिया। भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे डीडीए अधिकारियों को देखकर इलाके में हड़कंप मच गया। अचानक इतनी पुलिस फोर्स को इलाके में देख मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस और डीडीए अधिकारियों ने माइक के जरिए क्लब के अंदर मौजूद लोगों से तुरंत बिल्डिंग खाली कर बाहर आने को कहा और इसके बाद बिल्डिंग को सील कर दिया गया।

क्लब के महासचिव राजन मनचंदा ने बताया कि क्लब की लीज अवधि 90 साल थी। उन्होंने कहा कि हमारे पास दो पट्टे थे, एक 1922 का और दूसरा 1928 का, हर 30 साल में उनका नवीनीकरण होता था। हमारा पहला पट्टा 2012 में समाप्त हो गया, जिसके बाद आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए) के साथ

हमारा उचित संचार हुआ, जिसमें हमने मंत्रालय से इसकी समय अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया। जिसके बाद, हमें छह महीने का एक्सटेंशन मिला। एक और पट्टा 2018 में खत्म हो गया, जिसके बाद एमओएचयूए ने हमें एक पत्र भेजा जिसमें बताया गया कि सरकार एक नीति बनाएगी।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर महिलाओं को प्राइवेट पार्ट दिखाने वाला दबोचा, पीछा करते वक्त हादसे में एक महिला की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी।
गाजियाबाद में महिलाओं से छेड़छाड़ करने वाले जिस मनचले को पकड़ने के चक्कर में एक महिला की मौत हो गई, वह सीआरपीएफ का पूर्व जवान निकला। 15 दिन तक मुकदमा दर्ज न करने वाली मसूरी पुलिस ने अपनी किरकिरी के बाद आखिरकार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान अंकित चौधरी के रूप में की है, जो सीआरपीएफ का पूर्व कॉन्स्टेबल है।

गांव नाहल निवासी 32 वर्षीय संता और शकुंतला नौ सितंबर को दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से सटे खेतों में चारा काट रही थीं। इसी दौरान रॉन्ग साइड से एक बाइक सवार आया और उनके साथ अश्लीलता करने लगा। महिलाओं द्वारा विरोध करने के बाद भी आरोपी नहीं माना तो संता उसे पकड़ने के लिए एक्सप्रेसवे पर चढ़ गई। संता ने उसको पकड़ भी लिया, लेकिन वह संता को धक्का देकर भाग निकला। इसी दौरान सामने से आ रही एक तेज रफ्तार में कार ने संता को टक्कर मार दी थी, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई और उसे दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यह हादसा 9 सितंबर को मसूरी के पास हुआ था। चार दिनों तक चोटों से जूझने के बाद महिला ने 13 सितंबर को इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया।

मृतक महिला के पति ने इस संबंध में 15 सितंबर को मसूरी थाने में शिकायत दी थी, लेकिन पुलिस ने उसे टरका दिया। आरोप है कि शिकायत के 15 दिन बाद पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया था।

अश्लीलता का विरोध करने वाली महिला की मौत के मामले में 15 दिन तक केस दर्ज नहीं करने पर मसूरी पुलिस की खूब किरकिरी हुई थी। पुलिस ने केस दर्ज होने के दो दिन के भीतर ही आरोपी को दबोच लिया। डीसीपी ग्रामीण विवेक चंद्र यादव ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों तथा मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी की पहचान मुरादनगर थानाक्षेत्र के गांव जलालाबाद निवासी 34 वर्षीय अंकित चौधरी के रूप में हुई। गुरुवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह वर्ष 2012 से 2020 तक अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ का जवान रहा है। वर्तमान में वह खेतीबाड़ी करता है। मृतक महिला का पति जो एक दिहाड़ी मजदूर है उसने अपनी शिकायत में कहा, उसकी पत्नी और पड़ोसन उस दिन दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के पास एक खेत में मवेशियों के लिए घास काटने गई थीं। एक आदमी ने उन्हें खेत में अकेले काम करते देखा तो अपनी बाइक घुमाई और एक्सप्रेसवे पर रॉन्ग साइड में लगभग 50 मीटर तक वापस आया।

दिल्ली में 11 साल तक के पानी के बिल होंगे माफ? केजरीवाल सरकार ला रही नई योजना

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली सरकार पानी के बिलों के लिए लाने जा रही एकमुश्त भुगतान योजना में उन उपभोक्ताओं को भी लाभ देगी, जिन्होंने 11 साल से बिल नहीं भरा है। इसके तहत जुलाई 2012 से बिल जमा नहीं करने वाले दो लाख से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

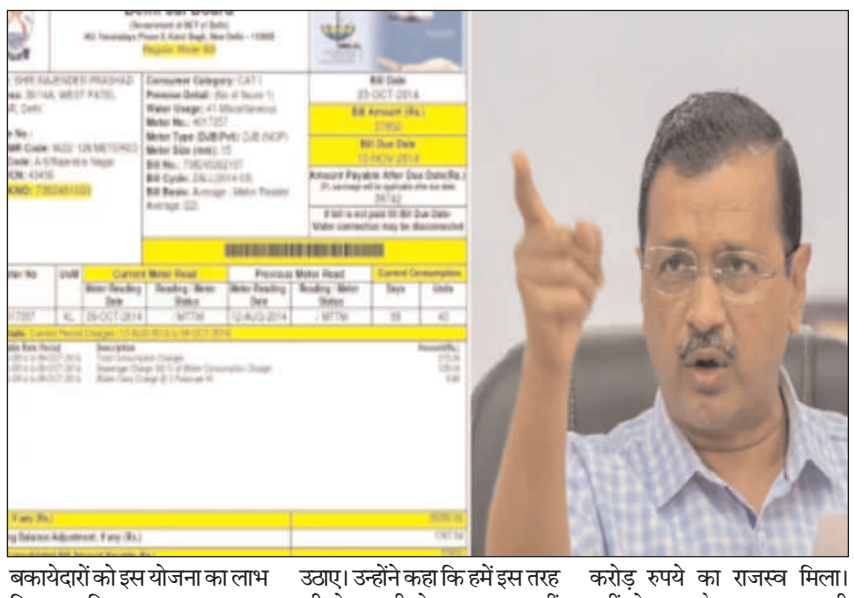

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जनवरी 2023 में पानी के बकाया बिलों और उसमें गड़बड़ी को लेकर एकमुश्त भुगतान योजना की घोषणा की थी। इसका मकसद पुराने बकाया बिलों का एकमुश्त राशि लेकर सेटल करना था। इसके साथ ही समय पर बिल जमा करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना था। सरकार के इस फैसले से करीब 11.71 लाख उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा, जिन पर एरियर मिलाकर पानी के बिलों का कुल 5737 करोड़ रुपये बकाया है।

दिल्ली सरकार के जल मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पानी के बिलों में बड़े स्तर पर गड़बड़ियां हैं। जल बोर्ड के कुल 42 जोन हैं। बीते आठ माह में कुल 8000 बिलों की गड़बड़ियों को ठीक किया है। बाकी बिलों में जिस तरह की शिकायतें हैं, उसे दूर करने में 100 वर्ष लग जाएंगे, इसलिए एक बार सभी बिल बकायेदारों को इस योजना का लाभ मिलना चाहिए।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आगे से बिलों में गड़बड़ी न हो, वह समय पर बिल जमा करें, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने प्रस्ताव में बदलाव करते हुए कहा कि 11 साल से पानी का बिल जमा नहीं करने वाले लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। दिल्ली सरकार की एकमुश्त भुगतान योजना की घोषणा को लेकर बैठक में मौजूद जल बोर्ड अधिकारी ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हमें इस तरह की योजना की घोषणा तब तक नहीं करनी चाहिए, जब तक वह मंजूर नहीं हो जाए। उन्होंने पानी के बिल के जरिए जुटे राजस्व का आंकड़े पेश करते हुए कहा कि इसकी घोषणा के बाद लोगों ने बिल जमा करना कम कर दिया है। राजस्व घटता जा रहा है। उन्होंने कहा कि घोषणा से पहले अक्टूबर 2022 (आधे महीने में) जहां 13 करोड़ रुपये, नवंबर 2022 में 53 करोड़ रुपये और दिसंबर 2022 में 202 करोड़ रुपये का राजस्व मिला। वहीं,घोषणा के बाद जनवरी 2023 में पानी के बिल का कलेक्शन 31 करोड़, फरवरी 2023 में 18 करोड़ और मार्च 2023 में 44 करोड़ रुपये हुआ। अधिकारियों ने कहा कि जल बोर्ड में पहले से ही राजस्व कम आ रहा है। एकमुश्त भुगतान योजना को लेकर हुई पिछली बैठक में जल बोर्ड अधिकारियों ने कहा कि ऐसे उपभोक्ताओं को लाभ नहीं देना चाहिए।

अब रॉन्ग साइड चलने वालों की खैर नहीं, हर यूटर्न पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

नई दिल्ली, एजेंसी।
नोएडा शहर में लगने वाले जाम की समस्या से निपटने के लिए ट्रैफिक पुलिस अब सभी यूटर्न पर कैमरे लगवाएगी। इसके बाद किसी भी यूटर्न पर गलत दिशा से आने वाले का चालान कटेगा। इससे नियम तोड़ने वाले चालकों पर शिकंजा कसा जा सकेगा।

डीसीपी ट्रैफिक अनिल यादव ने बताया कि उन्होंने नोएडा प्राधिकरण को प्रस्ताव भेजा है कि शहर के सभी यूटर्न पर कैमरे लगवाए जाएं, जिनके माध्यम से यूटर्न पर गलत साइड से आने वाले वाहन चालकों का चालान होगा। यूटर्न पर रॉन्ग साइड से आने वाले वाहनों से पूरा मार्ग अवरुद्ध हो जाता है। इससे हादसे की भी संभावना बनी रहती है। इससे निपटने के लिए कैमरे लगाने जरूरी हैं। ट्रैफिक पुलिस सभी यूटर्न की सूची बनाकर प्राधिकरण को भेजी है।

महामाया फ्लाईओवर से डीएनडी तक ट्रैफिक पुलिस ने नोएडा प्राधिकरण के सहयोग से 17 स्थानों पर 40 कैमरे लगवाए हैं। इनके माध्यम से कंट्रोल रूम से हर समय निगरानी की जा रही है। इस रास्ते पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ते ही ट्रैफिक पुलिस सक्रिय हो जाती है और वाहनों का आवागमन सुलभ किया जाता है। इसके साथ ही एलिवेटेड पर चढ़ने और उतरने वाले सभी लूप पर भी कैमरे लगवाए गए हैं ताकि वहां पर कोई वाहन गलत दिशा में न आ सकें। यदि एक्सप्रेसवे पर कोई वाहन खराब होता है तो उसका तत्काल निस्तारण कर यातायात सुचारू कराया जा सके।

मोटो जीपी और ट्रेड शो के दौरान 745 स्थानों पर नए कैमरे लगाए गए हैं। इनमें सबसे अधिक 450 कैमरे नोएडा जोन में, 180 कैमरे सेंट्रल जोन में और 115 कैमरे ग्रेटर नोएडा जोन में लगे। इसके बाद जिले में लगे कैमरों की संख्या 1800 से अधिक हो गई है। डीसीपी ट्रैफिक ने कहा कि प्रमुख चौराहे पर लगे कैमरों को आईटीएमएस से जोड़ा जा रहा है।

इजरायल ने दो सप्ताह बंद करने के बाद गाजा क्रॉसिंग को फिर से खोला

जेरूसलम, एजेंसी। इजरायल ने विरोध प्रदर्शनों के बीच गाजा पट्टी के साथ अपने मुख्य क्रॉसिंग पॉइंट को दो सप्ताह बंद करने के बाद गुरुवार को फिर से खोल दिया। एक इजरायली रक्षा मंत्रालय इकाई ने एक संयुक्त बयान में घोषणा की कि क्षेत्रों में सरकारी गतिविधियों के समन्वय के कार्यालय (सीओजीएटी) ने गाजा और इज़राइल के बीच एकमात्र पैदल यात्री इरेज़ क्रॉसिंग को फिलिस्तीनी श्रमिकों के लिए इज़राइल में प्रवेश करने के लिए फिर से खोल दिया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बयान के हवाले से कहा, स्थिति के आकलन और सुरक्षा स्थिरता के आधार पर क्रॉसिंग खुली रहेगी। इजरायल ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए 15 सितंबर को यहूदी नव वर्ष की छुट्टियों के लिए क्रॉसिंग बंद कर दी। लगभग 18,000 गाज़ावासियों के पास इजरायली अधिकारियों से इजरायल में काम करने के लिए परमिट है, जिससे वे फ़िलिस्तीनी एन्क्लेव की अर्थव्यवस्था में बहुत आवश्यक धन ला रहे हैं, जो 2007 से इज़रायली-मिस्र की नाकाबंदी के तहत है।

ताबड़तोड़ गोलीबारी से दहला नीदरलैंड, बुलेटप्रूफ जैकेट पहने हमलावर ने बरसाईं गोलियां ; दो की मौत

रोटरडम, एजेंसी। नीदरलैंड्स के रोटरडम में बृहस्पतिवार को एक अस्पताल एवं अपार्टमेंट में एक बंदूकधारी के हमले में दो लोगों की मौत हो गई। शहर के पुलिस प्रमुख ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रमुख फ्रेड वेस्टरबेके ने बताया कि 32 वर्षीय एक विद्यार्थी ने गोली मारकर 39 वर्षीय एक महिला की हत्या कर दी और 14 वर्षीय उसकी बेटी गोली लगने से घायल हो गयी। इस दौरान हमलावर ने बुलेटप्रुफ जैकेट पहन रखा था। उन्होंने बताया कि उसके बाद हमलावर नजदीकी इरासमस मेडिकल सेंटर गया जहां उसने 46 वर्षीय एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी।

जानबूझकर गिराया गया 200 साल पुराना साइकामोर गैप पेड़, जांच में जुटी पुलिस और स्थानीय एजेंसियां

लंदन, एजेंसी।
नॉर्थबरलैंड नेशनल पार्क में 200 से अधिक वर्षों से खड़ा साइकामोर गैप पेड़, एक तूफान के बाद गिरा हुआ पाया गया। उस दौरान माना जा रहा था कि यह प्राकृतिक कारण से गिरा है, लेकिन अब सामने आ रहा है कि इस पेड़ को जानबूझकर काटा गया है। इस बात का खुलासा स्थानीय राष्ट्रीय उद्यान के प्राधिकरण ने गुरुवार को किया है।

एक बयान में कहा गया, नॉर्थबरलैंड नेशनल पार्क अथॉरिटी इस बात की पुष्टि कर सकती है कि साइकामोर गैप पेड़ का प्रसिद्ध पेड़ रातों-रात गिर गया। हमारे पास यह मानने का सबूत है कि इसे जानबूझकर गिराया गया है। साथ ही बयान में कहा गया, हम इस प्रतिष्ठित उत्तर पूर्व ऐतिहासिक स्थल में रुचि रखने वाली संबंधित एजेंसियों और भागीदारों के साथ काम कर रहे हैं और इसकी गहन जांच कर रहे हैं, जिसके बाद हमें जानकारी मिलते ही हम इसे साझा करेंगे।

गौरतलब हो कि यह पेड़ पूर्वोत्तर इंग्लैंड में रोमन-युग हैड्रियन वॉल के बगल में स्थित है, जिसके कारण इसे प्रसिद्धि मिली थी, लेकिन इसके साथ ही यह अपनी सिनेमाई सेटिंग के लिए भी जाना जाता था। इसे 1991 की ब्लॉकबस्टर फिल्म रॉबिन हुड-प्रिंस ऑफ थीव्स में भी दिखाया गया है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई तस्वीरों में दिखाया गया है कि गूलर का एक छोटा हिस्सा नजर आ रहा है और बाकी हिस्सा दीवार पर फेंक दिया गया है। मालूम हो कि इसे 2016 में वुडलैंड ट्रस्ट के ट्री ऑफ द ईयर का खिताब भी मिला है। नॉर्थंब्रिया पुलिस ने कहा कि उन्होंने जांच शुरू कर दी है और वह इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या यहां कोई अपराध हुआ था। स्थानीय सांसद मैरी फोय ने इसे उत्तर पूर्व में एक बहुत ही पसंदीदा, प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल की नासमझ बर्बरता वाला कृत्य बताया। उन्होंने कहा, प्रतिष्ठित साइकामोर गैप के लिए यह एक बेहद दुखद दिन है।

टीवी शो में चलने लगे लात-घूंसे, आपस में भिड़े नवाज-इमरान समर्थक

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान के वकील शेर अफजल खान मारवात और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) (पीएमएल-एन) के सीनेटर अफनान उल्लाह खान एक लाइव टीवी शो के दौरान आपस में भिड़ गए। इसका वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। स्थानीय मीडिया जियो न्यूज की ओर से इस बात की जानकारी दी गई है। दोनों अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने लगते हैं। इसके बाद मारवत ने अचानक सीनेटर पर हमला कर दिया। पहले तो दोनों ने एक दूसरे को धक्का दिया और बाद में एक-दूसरे से हाथापाई करने लगे। इस भिड़ंत को रोकने के लिए टीवी शो के क्रू ने हस्तक्षेप करना पड़ा और इसके बाद उन दोनों को दूर करना पड़ा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अफनान ने कहा कि मारवात ने उन पर हमला किया, उन्होंने कहा कि वह हिंसा में विश्वास नहीं करते हैं, लेकिन नवाज शरीफ के सैनिक हैं। उन्होंने कहा, मैंने मारवात को जो चाटा जड़ा है, वह पीटीआई और खासकर इमरान खान के लिए एक सबक है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, सीनेटर ने कहा, वे किसी को अपना चेहरा नहीं दिखा पाएंगे। शेर अली

खान मारवात ने एक पोस्ट में कहा कि टीवी शो होस्ट इस घटना को लेकर गलत सूचना फैला रहा था। मारवत ने कहा, वह अफवाह फैला रहे हैं कि मेरा प्रतिद्वंद्वी एक सुपरमैन था। वह वास्तविकता नहीं बता रहे हैं कि अफनान उल्लाह स्टूडियो से भाग गए और पास के कमरे में छुप गए। मैंने जब उनका कार्यक्रम देखा तब मुझे पता लगा कि शो होस्ट गलत सूचना दे रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वह सीनेटर पर मानहानि का मामला और आपराधिक शिकायत करने का विचार कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है कि किसी टॉक शो के सेट पर ऐसी घटना हुई है। 2021 में, पूर्व पीपीपी विधायक अब्दुल कादिर मंडोखेल और तत्कालीन पीटीआई नेता फिरदौस आशिक अवान, जो अब इस्तिहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी (आईपीपी) में शामिल हो गए हैं, उनके बीच भी लड़ाई हुई थी।

कनाडा नहीं अमेरिका में छिपा है गोल्डी बरार, भारत के खौफ से मांगी शरण

टोरंटो, एजेंसी। गैंगस्टर गोल्डी बरार कनाडा में नहीं बल्कि उसके पड़ोसी देश अमेरिका में छिपा बैठा है। बरार भारत से भागकर कनाडा गया था लेकिन अभी भारतीय एजेंसियों के डर से वह दूसरे देश में है। बरार ने भारतीय अधिकारियों से बचने के लिए कानूनी चैनलों के माध्यम से कैलिफोर्निया में शरण मांगी है। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने इसका खुलासा किया है। एक नए डोजियर के अनुसार, बरार 15 अगस्त, 2017 को कनाडा पहुंचा और बाद में अमेरिका भागने में सफल रहा। तब से, वह कैलिफोर्निया में एक नया ठिकाना स्थापित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। जांच से बचने के लिए वह एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन ऐप्स का इस्तेमाल कर रहा है। खुफिया दस्तावेज से पता चलता है कि बरार का यह ठिकाना कैलिफोर्निया का फ्रेस्नो शहर है। डोजियर में अन्य खालिस्तानी चरमपंथियों और उनके सहयोगियों के बारे में भी जानकारी है। इसमें लखबीर लांडा का भी जिक्र है। लांडा को पाकिस्तान स्थित हरविंदर सिंह का करीबी सहयोगी बताया जाता है। दस्तावेज में लांडा की पूरी कुंडली है। इसमें 2022 की एक महत्वपूर्ण घटना भी शामिल है जब उसने 4 नवंबर, 2022 को अमृतसर में शिवसेना नेता सुधीर सूरी की हत्या की बात खुले तौर पर स्वीकार की थी। लांडा ने इस कृत्य की जिम्मेदारी ली और एक फेसबुक पोस्ट में चेतावनी जारी करते हुए कहा, यह तो बस शुरुआत है। तमाम रिपोर्टों के मुताबिक, डोजियर में 66 साल के सतिंदर पाल सिंह का भी जिक्र है, जिसके मृत खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर से करीबी संबंध हैं। सिंह वर्तमान में वैंकूवर में रहता है। पहले उग्रवादी गतिविधियों में शामिल रहने के कारण, वह 1974 में कनाडा चला गया था लेकिन 1979 में भारत लौट आया। ऑपरेशन ब्लूस्टार की अशांत अवधि के दौरान, वह कनाडा में फिर से भाग गया। समय के साथ, उसने तेजी से कट्टरपंथी विचारों को अपनाया और कनाडाई गुरुद्वारों के भीतर खालिस्तानी मुद्दे की सक्रिय रूप से वकालत की।

व्हाइट हाउस फेलो के 2023 क्लास में भारतीय-अमेरिकी कैंसर चिकित्सक

वाशिंगटन, एजेंसी।
भारतीय-अमेरिकी कैंसर चिकित्सक कमल मेंघराजानी व्हाइट हाउस फेलो के 2023-2024 क्लास के लिए नियुक्त 15 असाधारण युवा नेताओं में से एक हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति कार्यालय में नियुक्त कमल, जो ल्यूकेमिया के रोगियों का इलाज करती हैं, व्हाइट हाउस के वरिष्ठ कर्मचारियों, कैबिनेट सचिवों और अन्य शीर्ष-रैंकिंग प्रशासन अधिकारियों के साथ एक साल तक काम करेंगी।।

उन्होंने हाल ही में एक्स पर लिखा, अब तक चुने गए पहले ऑन्कोलॉजिस्ट के रूप में, मैं कैंसर मूनशॉट और हेल्थ आउटकम्स टीमों के साथ इस नई भूमिका में नवाचार करने के लिए उत्साहित हूं। मेमोरियल स्लोअन केटरिंग कैंसर सेंटर में संकाय में रहते हुए, कमल ने शीघ्र निदान और रोकथाम पर केंद्रित कैंसर अनुसंधान किया। व्हाइट हाउस के एक बयान के अनुसार, उन्होंने निकारागुआ, बोलीविया और युगांडा सहित वैश्विक संदर्भों में कमजोर आबादी के लिए स्वास्थ्य समानता प्रयासों का भी नेतृत्व किया।

एक उद्यमी के रूप में, उन्होंने कैंसर के उपचार में जरूरतों को पूरा करने और तेजी से कैंसर निदान के लिए एआई को तैनात करने के लिए स्टार्टअप की सह-स्थापना की है, और गैर-लाभकारी नॉरिश इंटरनेशनल को विकसित करने में मदद की है, जो छात्र नेताओं को अंतरराष्ट्रीय विकास कार्यों में सामाजिक उद्यमियों के रूप में शामिल करता है। उत्तरी कैरोलाइना विश्वविद्यालय से एम.डी. और एम.एस. पूरा करने के बाद कोलंबिया विश्वविद्यालय में बायोस्टैटिस्टिक्स में कमल ने मिशिगन विश्वविद्यालय में चिकित्सा में प्रशिक्षण लिया और एमएसके में मुख्य फेलो के रूप में काम किया। व्हाइट हाउस की घोषणा में कहा गया है, इस साल के फेलो अत्यधिक प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया से आगे बढ़े हैं। वे उल्लेखनीय रूप से प्रतिभाशाली और निपुण समूह हैं। ये फेलो देश भर से और निजी क्षेत्र, स्थानीय सरकार, शिक्षा, गैर-लाभकारी, चिकित्सा और सशस्त्र बलों सहित विभिन्न व्यवसायों से अनुभव लेकर आते हैं। 1964 में स्थापित, व्हाइट हाउस फेलो प्रोग्राम असाधारण युवा नेताओं को संघीय सरकार के उच्चतम स्तरों पर काम करने का अनुभव प्रदान करता है।

अमेरिका ने ट्रूडो को दिया झटका! जयशंकर और ब्लिंकेन की मुलाकात में नहीं हुई कनाडा विवाद पर कोई बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। गुरुवार को वॉशिंगटन डीसी में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन के साथ मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच विभिन्न मुद्दों पर बात हुई लेकिन अमेरिका ने कनाडा को झटका देते हुए निज्जर हत्याकांड पर एस जयशंकर से कोई बात नहीं की। बता दें कि कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने हाल ही में कहा था कि उन्होंने अमेरिका से अपील की है कि विदेश मंत्रियों की मुलाकात में अमेरिका निज्जर हत्याकांड का मुद्दा उठाए लेकिन अब अमेरिका ने साफ कहा है कि जयशंकर और एंटनी ब्लिंकेन की मुलाकात में भारत-कनाडा विवाद पर कोई बात नहीं हुई। अमेरिका के विदेश विभाग ने बताया कि भारतीय विदेश मंत्री और अमेरिकी विदेश मंत्री के बीच हुई मुलाकात में जी20 सम्मेलन से क्या हासिल हुआ, भारत-मध्य पूर्व के बीच बनाए जाने वाले आर्थिक कॉरिडोर जैसे मुद्दों पर बात हुई। मीडिया से बात करते हुए भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जी20 सम्मेलन में अमेरिका के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने कहा कि दोनों के बीच अच्छी बातचीत हुई, जिनमें जी20 सम्मेलन और संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर मुद्दों पर भी बात हुई। मीडिया को दोनों नेताओं से सवाल पूछने की इजाजत नहीं दी गई। कनाडा विवाद पर दोनों पक्षों ने चुप्पी साधे रखी। बता दें कि बीती जून में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने इस हत्याकांड के पीछे भारतीय एजेंट्स का हाथ होने की आशंका जाहिर की थी और कहा था कि उनके पास इसकी खुफिया सूचना है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।